कोटद्वार, रविवार
11 जनवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 232 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत

रुद्रपुर। पीलीभीत मार्ग पर जनता फार्म के पास शनिवार दोपहर ईंटों से भरी एक ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार हाईस्कूल के छात्र की ट्रॉली के पिछले टायर के नीचे कुचलकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, 18 वर्षीय नवजोत सिंह पुत्र जसवंत सिंह निवासी ग्राम नवदिया, हररायपुर जिला पीलीभीत यूपी बाइक से शनिवार को सितारगंज की ओर आ रहा था। दोपहर करीब ढाई बजे पीलीभीत हाईवे पर जनता फार्म गुरुद्वारे के सामने पीछे से ईंटों से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी। नवजोत की ट्रैक्टर ट्रॉली के पिछले टायर से कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर ट्रॉली भगा ले गया। 112 पर सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने बताया कि नवजोत दो भाई और एक बहन में सबसे छोटा था। वह हाईस्कूल का छात्र था। उसके पिता विदेश में नौकरी करते हैं। नवजोत भी विदेश जाने की तैयारी कर रहा था। कोतवाल सुंदरम शर्मा ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पुलिस ट्रैक्टर ट्रॉली को चिह्नित करने में जुटी है।

पार्किंग शुल्क को लेकर हुए विवाद में पार्किंग मैनेजर को कार से कुचला

हरिद्वार। हरिद्वार में शनिवार को पार्किंग शुल्क को लेकर हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते जानलेवा बन गया। हरियाणा से आए पर्यटकों पर आरोप है कि किराया देने से इन्कार करते हुए भागने के दौरान उन्होंने पार्किंग मैनेजर को कार से कुचल दिया, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद दोनों आरोपित फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, सोनीपत हरियाणा के दो युवक अपनी कार से हरिद्वार आए थे। उन्होंने अपनी गाड़ी रोड़ी बेलवाला पार्किंग में खड़ी की और हरकी पैड़ी चले गए। लौटने पर पार्किंग कर्मचारियों ने उनसे किराया मांगा। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि दोनों पार्किंग का किराया न देकर बैरियर तोड़कर भागने लगे। इस दौरान उन्हें रोकने का प्रयास कर रहे पार्किंग मैनेजर सहदेव निवासी बोंगला बहादराबाद को भी उन्होंने कुचल दिया। जिससे सहदेव सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हरिद्वार से हायर सेंटर रेफर करने के दौरान सहदेव सिंह की मौत हो गई। पार्किंग में अफरा–तफरी का फायदा उठाकर दोनों आरोपित फरार हो गए। उनकी पहचान विशाल और सूरज निवासीगण सोनीपत हरियाणा के रूप में हुई है। घटना से गुस्साए पार्किंग कर्मचारियों ने आरोपितों की कार में तोड़फोड़ भी की। शहर कोतवाल रितेश शाह ने बताया कि दोनों की तलाश की जा रही है।

डीएवी स्कूल के बाहर भिड़े दो गुट, फायरिंग की चर्चा.. वीडियो हो रहा वायरल

रुड़की। गंगनहर कोतवाली में डीएवी स्कूल रोड पर देर शाम दो युवकों के गुट भिड़ गए। एक ने दूसरे पर पथराव किया गया। वहीं, फायरिंग की भी चर्चा है। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस के अनुसार, गंगनहर कोतवाली अंतर्गत् डीएवी रोड का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो में युवकों के दो गुट आपस में झगड़ा कर रहे हैं। एक दूसरे को पीट रहे हैं। इसके बाद एक दूसरे पर पथराव करते हैं। वहीं, तेज आवाज के साथ एक युवक सड़क पर गिरता हुआ दिखाई दे रहा है। लोग फायरिंग होने की चर्चा कर रहे हैं। अफवाह है कि एक युवक को गोली लगी है। इसके बाद युवक यहां से भाग जाते है। सड़क पर जाम लग जाता है। इंटरनेट मीडिया पर मामला प्रसारित होने के बाद पुलिस इस मामले में सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है।

वहीं, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोहर भंडारी ने बताया कि इस संबंध में सूचना तो मिली हैं लेकिन कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। फायरिंग की कोई पुष्टि नहीं कर रहा है। वीडियो में भी फायरिंग होते हुए नहीं दिखाई दे रही है।

सावधान! अभी और सताएगी सर्दी

पहाड़ों सी ठिठुरन के बीच कोहरे का डबल अटैक

नई दिल्ली , उत्तर भारत समेत देश के बड़े हिस्से में कड़ाके की ठंड ने जनजीवन को अस्त–व्यस्त कर दिया है। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण मैदानी इलाके ठिठुर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को इस सीजन की सबसे सर्द सुबह रिकॉर्ड की गई, जहां तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। वहीं, कश्मीर घाटी और लद्दाख के कई हिस्सों में तापमान जमाव बिंदु (शून्य डिग्री) से नीचे चला गया है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए कोहरे और शीत लहर को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है।

कोहरे और शीत लहर का डबल टॉर्चर

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (द्वस्र्ष्ठ) के अनुसार, अगले सात दिनों तक उत्तर भारत और बिहार के लोगों को घने कोहरे का सामना करना पड़ेगा। वहीं, मध्य प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अगले तीन दिनों तक सुबह के समय घना कोहरा छाया रहेगा। मौसम विभाग ने विशेष रूप से 12 और 13 जनवरी को राजस्थान के कुछ हिस्सों में 'भीषण शीत लहरझ् (स्द्ग1द्दह्द्ग ष्टशद्यस्र ड्ड1द्ग) की आशंका जताई है। इसके अलावा, 11 से 14 जनवरी के दौरान राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में शीत लहर चलने की संभावना है। ओडिशा में 11–12 जनवरी और उत्तराखंड, झारखंड व उत्तरी कर्नाटक में 11 जनवरी को शीत लहर के हालात रहेंगे। बिहार में 10 से 14 जनवरी तक 'कोल्ड डेझ् की स्थिति बनी रहेगी।

दिल्लीवासियों के लिए शनिवार की सुबह कंपकंपा देने वाली रही। सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस शीतकालीन सत्र का अब तक का सबसे कम तापमान है। इससे पहले 15 जनवरी 2024 को तापमान 3.3 डिग्री सेल्सियस तक गिरा था। शनिवार को पालम में 4.5 डिग्री, लोधी रोड में 4.7 डिग्री, रिज में 5.3 डिग्री और आयानगर में 4.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। ठंड के साथ–साथ दिल्ली में प्रदूषण की मार भी जारी है। शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (क्तढ्ढ) 366 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराबझ् श्रेणी में आता है। सुबह के समय आर्द्रता 100 प्रतिशत रही, जिससे ठंड का अहसास और ज्यादा हुआ।

शून्य से नीचे पारा, अभी राहत के आसार नहीं

पिछले 24 घंटों के आंकड़ों पर नजर डालें तो जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में कई जगहों पर तापमान शून्य से नीचे रहा। हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में पारा 0 से 5 डिग्री के बीच झूलता रहा। वहीं यूपी, राजस्थान, एमपी और बिहार में तापमान 5 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि अगले सात दिनों तक उत्तर–पश्चिम भारत और मध्य प्रदेश में तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, यानी ठंड से राहत मिलने की उम्मीद कम है। हालांकि, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री की मामूली बढ़ोतरी हो सकती है।

पंजाब के होशियारपुर में बस और कार की टक्कर, 4 लोगों की मौत

शियारपुर ,पंजाब के होशियारपुर जिले में दसूहा मुख्य मार्ग पर अड्डा दोसड़का के समीप शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बस और कार की आमने–सामने टक्कर में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना शनिवार सुबह करीब 4 बजे हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार सभी लोग हिमाचल प्रदेश के दौलतपुर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है, जबकि घायल व्यक्ति का अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार नंबर ॥ 72–6869 में सवार सुखविंदर सिंह (45) पुत्र हरनाम सिंह, सुशील कुमार (46) पुत्र देसराज, ब्रिज कुमार (38) पुत्र महिंदर कुमार और अरुण कुमार (45) पुत्र गुरपाल सिंह, सभी निवासी गांव चलेत, दौलतपुर (हिमाचल प्रदेश), अमृत कुमार को विदेश यात्रा के लिए अमृतसर एयरपोर्ट छोड़ने जा रहे थे। जब उनकी कार अड्डा दोसड़का के पास पहुंची, तभी दसूहा से होशियारपुर की ओर जा रही पंजाब रोडवेज की बस से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।

पत्नी से सुलह करने गए युवक और उसके दोस्त की मौत

हल्द्वानी। पारिवारिक विवाद सुलझाने दिल्ली गए वैलेजली लॉज निवासी दो युवकों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों की लाश दिल्ली के मंडावली रेलवे स्टेशन के पास मिली है। मृतकों के शरीर में चोट के निशान हैं। परिजनों ने मामले में हत्या की आशंका जताई है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है। वैलेजली लॉज स्थित शिव मंदिर के पास रहने वाले 32 वर्षीय रवि गुप्ता की 10 साल पहले दिल्ली के मंडावली में रहने वाली अंजलि से शादी हुई थी। बीते कुछ माह से पति–पत्नी में अनबन चल रही थी। मामला दिल्ली में महिला हेल्पलाइन में चल रहा था। बीते पांच जनवरी को इस मामले में सुलह के लिए हेल्पलाइन में डेट थी। रवि अपने दोस्त 24 वर्षीय गोलू शर्मा वर्तमान निवासी हल्द्वानी मूल निवासी बरेली और आठ वर्षीय बेटे अभिमन्यु को लेकर दिल्ली गया। बेटे को ससुराल में छोड़ा। इसके बाद पांच जनवरी को हेल्पलाइन में पत्नी से मिला। इसके बाद दोनों के बारे में कोई जानकारी परिजनों को नहीं मिली।

दिल्ली पुलिस पर सवाल परिजनों के मुताबिक 7 जनवरी को हल्द्वानी पुलिस ने सूचना दी कि रवि की लाश मंडावली रेलवे स्टेशन के पास मिली है। परिवार दिल्ली पहुंचा तो पता चला कि शव 5 जनवरी को ही मिल चुका था। रेलवे पुलिस ने दिल्ली पुलिस को सूचित किया था, लेकिन आधार और पैन कार्ड होने के बावजूद कोई जानकारी उनको नहीं दी गई। परिजनों ने बताया कि रवि के बाएं हाथ, पैर और जबड़े पर चोट के निशान थे। वहीं 6 जनवरी को उनके दोस्त गोलू शर्मा का शव भी उसी इलाके में मिला। गोलू हल्द्वानी में ऑटो चलाता था और मूल रूप से बरेली का निवासी था। गोलू के परिजनों ने शव बरेली ले जाकर अंतिम संस्कार किया। वहीं रवि का अंतिम संस्कार हल्द्वानी में किया गया। 'मेरे बेटे को मारा है' मृतक रवि के पिता ओमकार गुप्ता नैनीताल रोड में एमबीपीजी कॉलेज के पास फल का ठेला लगाते हैं। रवि पहले फाइनेंस कंपनी में काम करता था। उन्होंने बताया दीवाली में रवि की पत्नी अपने मायके चली गई। उनका छोटा बेटा नितिन अपनी भाभी को लेने गया। वह नहीं आई। इस पर नितिन अपने भतीजे अभिमन्यु को वहां ले आया। उन्होंने कहा कि दोनों का शव ससुराल से 200 मीटर के पास मिला है। ऐसे में उनको अंदेशा है कि उनके बेटे और उसके दोस्त की हत्या की गई है। वह इस मामले में दिल्ली जाकर पुलिस को तहरीर देंगे। मृतक की पत्नी अंजलि ने बताया की उसके पति की हत्या की गई है।

अब घर बैठे मोबाइल या इंटरनेट के माध्यम से मिलेंगी सत्यापित खतौनी

मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग के विभागीय कार्यों से सम्बन्धित 6 वेब पोर्टल का किया शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास, देहरादून में राजस्व परिषद द्वारा राजस्व विभाग के विभागीय कार्यों से सम्बन्धित 6 वेब पोर्टल का शुभारंभ किया। इसमें ई-भूलेख (अपडेटेड वर्जन), भू-नक्शा, भूलेख अंश, भू-अनुमति, एग्री लोन एवं ई-वसूली पोर्टल (ई-आरसीएस पोर्टल) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 6 वेब एप्लीकेशन का नवीन संस्करण डिजिटल इंडिया की भावना, विकसित भारत एवं विकसित उत्तराखण्ड के लक्ष्यों तथा समय की मांग के अनुरूप आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उन्नत किया गया है। इस पहल से प्रशासनिक पारदर्शिता एवं नागरिक सुविधा में वृद्धि होगी। जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ ईज ऑफ लिविंग को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप विज्ञान, आईटी और एआई के माध्यम से आमजन को अधिक से अधिक सहूलियत प्रदान की जा रही है। कहा कि इन वेब पोर्टलों के शुभारंभ से नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी, उनका जीवन सरल होगा एवं उन्हें दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, जिससे समय की भी बचत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार-सरलीकरण, समाधान और निस्तारण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। डिजिटल इंडिया के अंतर्गत राजस्व से जुड़ी नई सेवाओं का ऑनलाइन उपलब्ध होना महत्वपूर्ण कदम है। इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता आएगी एवं नागरिक घर बैठे ही खतौनी सहित अन्य राजस्व संबंधी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि अभिलेखों से संबंधित सेवाओं में विशेष रूप से खतौनी अब तहसील कार्यालय आने के बजाय घर बैठे मोबाइल या इंटरनेट के माध्यम से सत्यापित प्रति के रूप में, ऑनलाइन भुगतान कर प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योग एवं कृषि प्रयोजनों हेतु भूमि उपयोग/भूमि कार्य की अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाइन की गई है। साथ ही भूमि मानचित्र (कैडस्ट्रल मैप) को सार्वजनिक डोमेन में निःशुल्क देखने की सुविधा प्रदान की गई है। इस अवसर पर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव राजस्व एस.एन पांडेय, सचिव एवं आयुक्त राजस्व परिषद श्रीमती रंजना राजगुरु, अपर सचिव आनंद श्रीवास्तव, स्टाफ ऑफिसर श्रीमती सोनिया पंत, एनआईसी के वरिष्ठ निदेशक (आईटी) मनीष वालिया, नरेंद्र सिंह नेगी, संयुक्त निदेशक (आईटी) चंदन भकुनी आदि मौजूद थे।

जमीन के नाम पर छह लाख 11 हजार रुपये हड़पे

विकासनगर। सेलाकुई में जमीन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने महिला से पैसे लेकर भूमि की रजिस्ट्री नहीं की। पैसे वापस मांगने पर आरोपी अब महिला को जान से मारने की धमकी दे रहा है। एसएसआई थाना सेलाकुई जितेंद्र कुमार ने बताया कि साधना शर्मा निवासी– सी –119 सैक्टर 41 नोएडा जिला गौतम बुद्ध नगर, हाल निवासी भाउवाला तहसील विकासनगर ने तहरीर दी है। बताया कि दीनदयाल विमल पुत्र नेकराम निवासी खंडसा रोड हीरानगर हरियाणा की पत्नी रमा विम कांसवाली कोठारी में एक जमीन की मालकिन था। उसकी पत्नी की मृत्यु 2019 में हो चुकी थी। इसके बाद दीनदयाल विमल ने भूमि का सौदा 6,18,000 में किया। जिसके बाद उसने आरोपी को विभिन्ना माध्यमों से छह लाख 11 हजार रुपये दे दिए। आरोपी ने उसे आश्वासन दिया था कि जल्द ही वह भूमि को अपने बेटों के नाम दर्ज कर उनके नाम रजिस्ट्री कर देगा। इसके बाद उसने विश्वास दिलाने के लिए उसे भूमि पर कब्जा भी दिला दिया। जिसके बाद उसने वहां पर वन गुर्जरों को रहने के लिए दे दिए।

अयोध्या राम मंदिर में कश्मीरी ने की नमाज पढ़ने की कोशिश

रोकने पर की नारेबाजी, प्रशासन अलर्ट

नई दिल्ली ,अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक व्यक्ति द्वारा मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की कोशिश करने की सूचना मिली। घटना करीब दो बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं और त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं के बीच मौजूद एक व्यक्ति मंदिर के पश्चिमी परकोटे तक पहुंच गया और वहां कपड़ा बिछाकर नमाज पढ़ने की तैयारी करने लगा। सुरक्षाकर्मियों को उस पर संदेह हुआ और जैसे ही वह बैठने लगा, उसे तुरंत पकड़ लिया गया। हिरासत में लिए जाने के बाद व्यक्ति द्वारा नारेबाजी किए जाने की भी बात सामने आई है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस के साथ–साथ सीआरपीएफ, एसएसएफ और खुफिया एजेंसियों के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। फिलहाल सभी एजेंसियां संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रही हैं। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति के पास से आधार कार्ड बरामद हुआ है, जिस पर उसका नाम अहद शेख दर्ज है। उसकी उम्र लगभग 50,55 वर्ष बताई जा रही है और वह जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर/शोपियां क्षेत्र का निवासी है। एसएसपी के अनुसार, मंदिर परिसर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और व्यक्ति द्वारा दी गई जानकारी का सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सतर्क है और किसी भी तरह की चूक नहीं होने दी जाएगी।

करूर भगदड़ मामला : सीबीआई ने विजय के कैंपेन में इस्तेमाल किए गए वाहन को जब्त किया

चेन्नई ,सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने पिछले साल 27 सितंबर को करूर में विजय की पब्लिक मीटिंग के दौरान हुई भगदड़ की चल रही जांच के तहत विजय की कैंपेन में इस्तेमाल किए गए वाहन को जब्त कर लिया है। इस भगदड़ में 41 लोगों की जान चली गई थी और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अधिकारियों के अनुसार, रैली के दौरान विजय द्वारा इस्तेमाल की गई और पनयूर से करूर ले जाई गई कैंपेन बस की जांच अभी जांचकर्ताओं द्वारा की जा रही है ताकि मूवमेंट लॉग, यात्रा के समय और इवेंट के लिए दी गई अनुमतियों के पालन की पुष्टि की जा सके। रैली के दिन के शेड्यूल और भीड़ की आवाजाही से संबंधित डिटेल्स की पुष्टि के लिए गाड़ी के ड्राइवर से भी पूछताछ की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हादसा उस जगह पर भारी भीड़ और भीड़ को कंट्रोल करने के इंतजामों में कथित कमियों के बीच हुआ, जहां विजय ने समर्थकों को संबोधित किया था। निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के निर्देशों के बाद इस मामले को सीबीआई को सौंप दिया गया था। इससे पहले, 25 नवंबर को तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सीबीआई के सामने पेश हुए थे। इस दौरान पार्टी के महासचिव बुस्सी आनंद, चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव अधव अर्जुन और संयुक्त महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार से पूछताछ की गई। टीवीके के करूर पश्चिम जिला सचिव केपी मथियाझगन और एमसी पौनराज से भी पूछताछ की गई थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि नेताओं से रैली की प्लानिंग, ली गई परमिशन, भीड़ का अनुमान, सुरक्षा इंतजाम और लॉजिस्टिक्स कोऑर्डिनेशन सहित कई मुद्दों पर सवाल पूछे गए। जांच के सिलसिले में 4 दिसंबर को करूर जिला कलेक्टर थंगावेलम को बुलाया गया और उनसे प्रशासनिक मंजूरी, इंटर–डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन और रैली के दिन लागू किए गए रिस्पॉन्स मैकेनिज्म के बारे में दो घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की गई। जांच को आगे बढ़ाते हुए, सीबीआई ने इस मामले में विजय को औपचारिक समन जारी किया है, जिसमें उन्हें 12 जनवरी को नई दिल्ली में एजेंसी के हेडक्वार्टर में जांचकर्ताओं के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया है।अधिकारियों ने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में अहम गवाहों से और पूछताछ और डॉक्यूमेंट्री सबूतों की जांच जारी रहेगी।

ओडिशा में क्रैश हुआ प्लेन, सभी यात्री और पायलट सुरक्षित

नई दिल्ली , ओडिशा में भुवनेश्वर से राउरकेला जा रहा एक छोटा यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के समय विमान में कुल 7 लोग सवार थे, जिनमें 6 यात्री और 1 पायलट शामिल थे। दुर्घटना में सभी लोग घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहत की बात यह रही कि किसी की जान नहीं गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह इंडिया वन एयर की 9–सीटर फ्लाइट थी, जो राउरकेला की ओर आ रही थी। विमान राउरकेला से करीब 10 से 15 किलोमीटर पहले दुर्घटनाग्रस्त हुआ। जैसे ही हादसे की सूचना मिली, प्रशासन और राहत–बचाव दल मौके पर पहुंच गए और तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रेस्क्यू टीम ने विमान में सवार सभी यात्रियों और पायलट को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। वहीं, विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित विभागों में हलचल मच गई। भुवनेश्वर से पर्यटन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेगी। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और विमान दुर्घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी।

अपनों के षड्यंत्र से तहस–नहस हुई बड़ी विरासत : लालू की बेटी रोहिणी आचार्य का बयान

पटना , राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने शनिवार को पार्टी और परिवार के भीतर चल रही कथित सियासी उठापटक पर टिप्पणी की। रोहिणी आचार्य ने कहा कि किसी बड़ी विरासत को नष्ट करने के लिए बाहरी लोगों की जरूरत नहीं होती, बल्कि अपने ही लोग और कुछ षड्यंत्रकारी काफी होते हैं। उन्होंने इशारों में कहा कि जिस विरासत को बड़ी मेहनत और शिद्दत से खड़ा किया गया, उसे नुकसान पहुंचाने में अक्सर अपने ही लोग आगे आ जाते हैं। रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, बड़ी शिद्दत से बनायी और खड़ी की गई बड़ी विरासत को तहस–नहस करने के लिए परायों की जरूरत नहीं होती, अपने और अपनों के चंद षड्यंत्रकारी नए बने अपने ही काफी होते हैं। हैरानी तो तब होती है , जब जिसकी वजह से पहचान होती है, जिसकी वजह से वजूद होता है, उस पहचान, उस वजूद के निशान को बहक-ावे में आ कर मिटाने और हटाने पर अपने ही आमादा हो जाते हैं। रोहिणी ने पोस्ट में आगे लिखा, जब विवेक पर पर्दा पड़ जाता है, अहंकार सिर पर चढ़ जाता है। तब विनाशक ही आंख–नाक और कान बन बुद्धि–विवेक हर लेता है। इससे पहले बिहार विधानसभा चुनाव में राजद की करारी हार के बाद भी रोहिणी आचार्य ने भाई तेजस्वी यादव और उनके सहयोगियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए परिवार त्यागने और राजनीति छोड़ने की घोषणा की थी। रोहिणी ने खुद को अपमानित बताते हुए बताया कि उनके ऊपर चप्पल तक फेंककर मारी गई। रोहिणी ने इस संबंध में एक्स पोस्ट में लिखा था कि, एक बेटी, एक बहन, एक शादीशुदा महिला और एक मां को जलील किया गया, गंदी गालियां दी गईं, और मारने के लिए चप्पल उठाया गया। मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया, सच का समर्पण नहीं किया, सिर्फ और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज्जती झेलनी पड़ी। एक बेटी मजबूरी में अपने रोते हुए मां–बाप और बहनों को छोड़ आई, मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया। मुझे अनाथ बना दिया गया।

भारत ने चीन–पाक को दिया सख्त संदेश

शक्सगाम घाटी हमारा अभिन्न हिस्सा, हम किसी समझौते को नहीं मानते

नई दिल्ली ,चीन और पाकिस्तान द्वारा चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के विस्तार की घोषणा के बाद भारत ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। प्रस्तावित विस्तार में पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर और शक्सगाम घाटी को शामिल किए जाने को भारत ने अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि शक्सगाम घाटी भारत का अभिन्न हिस्सा है और भारत ने कभी भी चीन तथा पाकिस्तान के बीच 1963 में हुए तथाकथित सीमा समझौते को स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने उस समय अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा चीन को सौंप दिया था, जिसे भारत मान्यता नहीं देता। जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत का रुख हमेशा से यही रहा है कि 1963 का चीन–पाकिस्तान समझौता अवैध और अमान्य है। उन्होंने कहा कि भारत तथाकथित भी स्वीकार नहीं करता, क्योंकि यह उस भारतीय क्षेत्र से होकर गुजरता है जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू–कश्मीर और लद्दाख, दोनों केंद्रशासित प्रदेश, भारत के अभिन्न और अविच्छिन्न अंग हैं और यह स्थिति चीन तथा पाकिस्तान को कई बार स्पष्ट रूप से बताई जा चुकी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि शक्सगाम घाटी में यथास्थिति बदलने की किसी भी कोशिश के खिलाफ भारत ने चीन के समक्ष औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि भारत अपने हितों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इस दौरान जायसवाल ने ताइवान के आसपास हो रहे चीनी सैन्य अभ्यासों को लेकर भी सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने की अपील की।

झोलाछाप डॉक्टर ने किया ऑपरेशन, प्रसूता की तड़प–तड़प कर हुई मौत

भागलपुर , बिहार के भागलपुर जिले से स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली और झोलाछाप डॉक्टरों की मनमानी का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां के कहलगांव प्रखंड स्थित एकचारी क्षेत्र में एक नीम–हकीम ने मोबाइल पर यूट्यूब वीडियो देखकर एक गर्भवती महिला का सिजेरियन ऑपरेशन कर डाला। डॉक्टर की इस जानलेवा लापरवाही के कारण ऑपरेशन टेबल पर ही महिला की तड़प–तड़प कर मौत हो गई। हालांकि, इस घटना में नवजात शिशु की जान बाल–बाल बच गई।

30 हजार के लालच में ले ली जान

मृतका की पहचान श्रीमठ स्थान निवासी स्वाति देवी के रूप में हुई है। घटना गुरुवार रात की है, जब स्वाति को प्रसव पीड़ा हुई। गांव की ही एक आशा कार्यकर्ता की सलाह पर परिजन उसे लेकर अमर कुमार मंडल नामक डॉक्टर के निजी क्लीनिक पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने नॉर्मल डिलीवरी की बजाय ऑपरेशन की बात कही और इसके लिए 30 हजार रुपये की मांग की।

वेनेजुएला के बाद मेक्सिको ट्रंप के निशाने पर आया

अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमले की दी धमकी

विक्टोरिया ,अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों धमकियां देने के मूड में नजर आ रहे हैं। दरअसल, वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई के बाद अब ट्रंप की नजर ग्रीनलैंड पर है। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिए हैं कि वह मैक्सिकन इलाके में ड्रग कार्टेल के खिलाफ हमले का ऑर्डर दे सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते वेनेजुएला पर हमला करके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को काराकास में उनके कंपाउंड से हिरासत में ले लिया था। इसके बाद अब उन्होंने अमेरिका के मैक्सिको के खिलाफ फिर से धमकियां दी हैं। ट्रंप ने मैक्सिको पर अमेरिका में ड्रग्स और अवैध प्रवासियों को भेजने का भी आरोप लगाया है, जिनमें से कई को उन्होंने हिंसक क्रिमिनल बताया है। सितंबर 2025 से, अमेरिका ने कैरिबियन में कम से कम 35 कथित कार्टेल बोट पर हमला किया है। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति ने वेनेजुएला पर भी यही आरोप लगाकर कार्रवाई की थी।

बच्चों के लिए डांस है एक बेहतरीन एक्सरसाइज

बच्चों के लिए डांस करना न केवल एक मजेदार गतिविधि है, बल्कि यह उनके शारीरिक और मानसिक विकास में भी अहम भूमिका निभाता है। डांस से बच्चे न केवल फिट रहते हैं, बल्कि उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इसके अलावा डांस करने से बच्चों में टीम वर्क की भावना विकसित होती है और वे नए कौशल सीखते हैं। आइए जानते हैं कि बच्चों के लिए डांस कैसे फायदेमंद हो सकता है।

शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने में है मददगार

डांस एक ऐसी गतिविधि है, जो बच्चों को शारीरिक रूप से सक्रिय रखती है। यह न केवल उनकी मांसपेशियों को मजबूत करता है, बल्कि उनके शरीर की लचीलापन और संतुलन भी सुधारता है। नियमित रूप से डांस करने वाले बच्चे अधिक ऊर्जा से भरे होते हैं और उनका शारीरिक विकास बेहतर होता है। इसके अलावा डांस करने से कैलोरी की खपत होती है, जिससे बच्चे फिट और स्वस्थ रहते हैं। डांस के माध्यम से बच्चों की सहनशक्ति भी बढ़ती है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

डांस बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव डालता है। जब बच्चे डांस करते हैं तो वे खुश महसूस करते हैं और उनकी चिंता कम होती है। डांस करने से बच्चों का ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे उनकी पढ़ाई में भी सुधार होता है। इसके अलावा डांस से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने विचारों को बेहतर तरीके से व्यक्त कर पाते हैं।

सामाजिक कौशल को सुधारने में है सहायक

डांस एक समूह गतिविधि होती है, जिसमें कई लोग मिलकर नाचते हैं। इससे बच्चों में सामाजिक कौशल विकसित होते हैं क्योंकि वे टीम वर्क करना सीखते हैं। वे दूसरों के साथ मिलकर काम करना और सहयोग करना भी सीखते हैं। इसके अलावा डांस करने से बच्चों में नेतृत्व क्षमता भी विकसित होती है और वे दूसरों का मार्गदर्शन करना सीखते हैं। इस प्रकार डांस बच्चों को सामाजिक रूप से सक्षम बनाता है।

अनुशासन सिखाने में है मददगार

डांस करने के लिए नियमित अभ्यास और अनुशासन जरूरी होता है, जो बच्चों में समय प्रबंधन की भावना विकसित करता है। वे सीखते हैं कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मेहनत और नियमितता कितनी अहम होती है। इसके अलावा डांस करते समय बच्चों को अपने शरीर की सुननी पड़ती है और वे अपने आंदोलनों पर नियंत्रण पाना सीखते हैं।

रचनात्मकता को बढ़ावा देने में है मददगार

डांस बच्चों की रचनात्मकता को उजागर करने का एक बेहतरीन तरीका है। जब बच्चे अलग–अलग शैलियों में नाचते हैं तो वे नए विचारों को अपनाना सीखते हैं और अपनी कल्पना शक्ति का उपयोग करते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता भी विकसित होती है और वे समस्याओं का समाधान करने में अधिक सक्षम होते हैं। इस प्रकार डांस न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाता है बल्कि उन्हें एक बेहतर इंसान भी बनाता है।

पेंटिंग करते समय न करें ये 5 गलतियां, कला को कर सकती हैं प्रभावित

पेंटिंग एक कला है, जो न केवल घर की सुंदरता बढ़ाती है, बल्कि मन को भी सुकून देती है। हालांकि, पेंटिंग करते समय कुछ छोटी–छोटी गलतियां हो जाती हैं, जो आपके काम को बिगाड़ सकती हैं। इन गलतियों से बचकर आप अपनी पेंटिंग को बेहतर बना सकते हैं और लंबे समय तक उसका आनंद ले सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे बचना चाहिए।

सही रंग का चुनाव न करना

पेंटिंग करते समय सबसे जरूरी कदम सही रंग का चुनाव करना होता है। कई लोग बिना सोचे–समझे ही किसी भी रंग को चुन लेते हैं, जिससे बाद में उन्हें पछताना पड़ता है। सही रंग चुनने के लिए पहले अपने कमरे की रोशनी, आकार और फर्नीचर का ध्यान रखें। इसके अलावा कमरे की दीवारों पर अलग–अलग रंगों का परीक्षण करें ताकि आपको पता चले कि कौन सा रंग आपके कमरे के लिए बेहतर रहेगा।

बेस कोट का उपयोग न करना

पेंटिंग से पहले बेस कोट लगाना बहुत जरूरी होता है। कई लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे पेंटिंग जल्दी उतरने लगती है और उसका असर कम होता है। बेस कोट लगाने से दीवारों की सतह चिकनी हो जाती है और रंग अच्छे से चिपकता है। इसके अलावा यह रंग को समान रूप से फैलाने में मदद करता है। सही तरीके से बेस कोट लगाने पर आपकी पेंटिंग लंबे समय तक टिक सकती है।

ब्रश या रोलर का गलत उपयोग करना

पेंटिंग करते समय ब्रश या रोलर का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। कई लोग गलत आकार या प्रकार के ब्रश या रोलर का इस्तेमाल करते हैं, जिससे काम अधूरा लगता है या अच्छी तरह नहीं होता। सही आकार और प्रकार का ब्रश या रोलर चुनने पर आपकी पेंटिंग साफ–सुथरी और पेशेवर जैसी दिखेगी। इसके अलावा सही उपकरणों का उपयोग करने से आपको कम समय में बेहतर परिणाम मिलेंगे और आपका काम ज्यादा सुंदर दिखेगा।

किनारों पर ध्यान न देना

पेंटिंग करते समय अक्सर किनारों पर ध्यान नहीं दिया जाता, जिससे पूरा काम बेढंगा लगता है।

भारत की डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना

वन भूमि, वन्यजीव अभयारण्यों, मैंग्रोव क्षेत्रों, पेड़ों की कटाई और क्रीक (नाले) पार करने से जुड़े कानूनी अनुमतियां प्राप्त करना। 900 से अधिक लेवल क्रॉसिंग को खत्म करने के लिए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण, जिनके लिए संयुक्त नक्शा स्वीकृति और रास्तों के लिए भूमि अधिग्रहण आवश्यक था। हाई टेंशन बिजली लाइनों, गैस और तेल पाइपलाइनों को स्थानांतरित करना। रक्षा विभाग, एनएचएआई, राज्य राजमार्ग प्राधिकरणों, सिंचाई विभाग से नहर पार करने की अनुमति और मिट्टी उधार लेने की स्वीकृति। कोविड के बाद ठेकेदारों पर पड़ा आर्थिक दबाव, जिससे नकदी की कमी हुई। निर्माण के लिए बिना किसी बाधा वाली भूमि उपलब्ध न होने से कार्य समय–सारिणी पर गंभीर असर पड़ा और परियोजना पर संभावित दावों का खतरा भी बढ़ गया।

आर.के जैन

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) परियोजना आज़ादी के बाद शुरू की गई सबसे महत्वाकांक्षी रेल अवसंरचना योजनाओं में से एक है। इसका उद्देश्य माल ढुलाई के लिए उच्च क्षमता और आधुनिक तकनीक से लैस विशेष रेल कॉरिडोर तैयार करना है। इस परियोजना के माध्यम से भारतीय रेल तेज़, सुरक्षित, भरोसेमंद और कम लागत वाली लॉजिस्टिक सेवाएं देकर माल परिवहन के क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी दोबारा बढ़ाना चाहती है। साथ ही, इस परियोजना से मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्कों के विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी और पूरी आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता में सुधार होगा। करीब 1.2 लाख करोड़ से अधिक की अनुमानित लागत और 2843 किलोमीटर की कुल लंबाई वाली डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना के दो मुख्य हिस्से हैंः

पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर(ईडीएफसी)ः यह 1337 किलोमीटर लंबा है। यह कॉरिडोर पंजाब के लुधियाना स्थित साहनेवाल से लेकर बिहार के सोननगर तक जाता है और पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा बिहार राज्यों से होकर गुजरता है। पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यू डीएफसी)ः यह 1506 किलोमीटर लंबा है। यह उत्तर प्रदेश के दादरी से लेकर मुंबई के पास जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) तक फैला हुआ है। यह हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश राज्यों से होकर गुजरता है। कुल मिलाकर, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) का मार्ग 7 राज्यों और 56 जिलों से होकर गुजरता है। यह जंगलों, वन्यजीव अभयारण्यों, मैंग्रोव क्षेत्रों और क्रीक इलाकों से भी होकर जाता है, जिससे इस परियोजना का निर्माण कार्य स्वाभाविक रूप से जटिल हो जाता है।

समय पर पूरा होने में आने वाली चुनौतियां

हालांकि इस परियोजना की शुरुआत 2008 में हुई थी, लेकिन कई बाधाओं के कारण कई वर्षों तक काम की गति धीमी रही। मुख्य चुनौतियां इस प्रकार थींः लगभग 11,000 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण, जिसमें अवैध कब्जे और बने हुए ढांचों को हटाना शामिल था।

वन भूमि, वन्यजीव अभयारण्यों, मैंग्रोव क्षेत्रों, पेड़ों की कटाई और क्रीक (नाले) पार करने से जुड़े कानूनी अनुमतियां प्राप्त करना। 900 से अधिक लेवल क्रॉसिंग को खत्म करने के लिए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण, जिनके लिए संयुक्त नक्शा स्वीकृति और रास्तों के लिए भूमि अधिग्रहण आवश्यक था। हाई टेंशन बिजली लाइनों, गैस और तेल पाइपलाइनों को स्थानांतरित करना।

रक्षा विभाग, एनएचएआई, राज्य राजमार्ग प्राधिकरणों, सिंचाई विभाग से नहर पार करने की अनुमति और मिट्टी उधार लेने की स्वीकृति। कोविड के बाद ठेकेदारों पर पड़ा आर्थिक दबाव, जिससे नकदी की कमी हुई। निर्माण के लिए बिना किसी बाधा वाली भूमि उपलब्ध न होने से कार्य समय–सारिणी पर गंभीर असर पड़ा और परियोजना पर संभावित दावों का खतरा भी बढ़ गया।

प्रगति पोर्टल–निर्णायक मोड़

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से शुरू किया गया प्रगति पोर्टल डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) परियोजना के लिए एक अहम मोड़ साबित हुआ। इस पोर्टल के माध्यम से डीएफसी के अधिकारियों ने लंबे समय से लंबित समस्याओं को पूरे दस्तावेज़ों के साथ अपलोड किया। प्रगति पोर्टल की सबसे बड़ी ताकत इसकी पारदर्शिता और जवाबदेही थी। संबंधित मंत्रालयों, राज्य सरकारों और विभागों को यह साफ़ पता था कि कार्य की प्रगति पर सबसे ऊंचे स्तर पर, स्वयं माननीय प्रधानमंत्री द्वारा भी, निगरानी की जा रही है। जो मुद्दे वर्षों तक लगातार प्रयासों के बावजूद अटके रहे थे, वे कुछ ही हफ्तों में, और कई मामलों में तो कुछ दिनों के भीतर ही, सुलझा लिए गए। जहाँ तुरंत समाधान संभव नहीं था, वहाँ विभागों ने निश्चित समय–सीमा तय की और उसका सख्ती से पालन किया गया।

शासन और जवाबदेही की नई संस्कृति

प्रगति पोर्टल एक अत्यंत प्रभावी मंच के रूप में सामने आया, जिसके माध्यम सेःपरियोजनाओं की रियल–टाइम निगरानी संभव हुई समस्याओं को एक साथ कई स्तरों तक तुरंत पहुँचाया जा सका एक ही मंच से मंत्रालयों और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय हो पाया डीएफसी परियोजना में भी इसी तरह की एक आंतरिक निगरानी व्यवस्था लागू की गई। बड़े ठेकों की साप्ताहिक समीक्षा, नियमित स्थल निरीक्षण और तय किए गए लक्ष्यों की लगातार निगरानी सामान्य प्रक्रिया बन गई। चूंकि पोर्टल पर डाली गई सभी समय–सीमाएं दर्ज रहती थीं, इससे परियोजना टीम के भीतर अपने वादों को पूरा करने की ज़िम्मेदारी और जवाबदेही की भावना भी मज़बूत हुई।

परियोजना क्रियान्वयन पर स्पष्ट प्रभाव

जटिल समस्याओं के तेज़ समाधान से निर्माण कार्य में उल्लेखनीय तेजी आई और बिना बाधा वाली भूमि समय पर उपलब्ध न होने से होने वाले संभावित दावों से संगठन को सुरक्षा मिली। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि प्रगति पोर्टल ने रोज़मर्रा की परियोजना प्रबंधन प्रक्रिया में पारदर्शिता, त्वरित कार्रवाई और जवाबदेही को शामिल करके पूरे शासन तंत्र की कार्यसंस्कृति को ही बदल दिया।

प्रगति पोर्टल आज प्रभावी डिजिटल शासन का एक जीवंत उदाहरण है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जैसी विशाल परियोजना, जो कई राज्यों, विभागों और नियामक क्षेत्रों से होकर गुजरती है, के लिए प्रगति केवल एक निगरानी उपकरण नहीं रहा, बल्कि बदलाव लाने वाला एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित हुआ।

तेज़ फैसले सुनिश्चित करके, विभागों के बीच टकराव कम करके और हर स्तर पर जवाबदेही तय करके, प्रगति पोर्टल ने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना को सफल और समय पर पूरा करने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाई है। साथ ही, इसने भारत की आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए एक नया मानक भी स्थापित किया है।

पोषण निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं सूरजपुर की महिलाएं

वर्तमान में भैयाथान, प्रतापपुर एवं सूरजपुर विकासखंड में तीन संयंत्रों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इन तीनों संयंत्रों में 32 महिलाएं प्रत्यक्ष रूप से पोषण आहार निर्माण कार्य में संलग्न हैं। निर्मित पोषण आहार आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को नि:शुल्क प्रदान किया जा रहा है। इस प्रकार स्व–सहायता समूहों की महिलाएं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण में अप्रत्यक्ष किंतु अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इस सम्बन्ध में महत्वपूर्ण बात है कि पोषण आहार के निर्माण के साथ–साथ उसके वितरण की भी जिम्मेदारी भी महिला स्व–सहायता समूहों को सौंपी गई है।

आर्थिक रूप से सशक्तिकरण की नींव सशक्त मानसिकता पर आधारित होती है। दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास व्यक्ति को सफलता की दिशा में आगे बढ़ाते हैं। सूरजपुर जिले की स्व–सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने इस सोच को व्यवहार में उतारते हुए आत्मनिर्भरता की एक सशक्त मिसाल प्रस्तुत की है। ये महिलाएं न केवल स्वयं सशक्त बन रही हैं, बल्कि जिले की महिलाओं एवं बच्चों को पोषण उपलब्ध कराने के अभियान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पोषण और महिलाओं का सशक्तिकरण दोनों होता है पोषण आहार (रेडी–टू–ईट या आरटीई) निर्माण संयंत्र सरकार द्वारा संचालित ऐसी इकाइयाँ हैं, जो आंगनवाड़ियों और अन्य योजनाओं के तहत बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरी बालिकाओं के लिए पौष्टिक, पहले से तैयार भोजन बनाती हैं, जिसे महिला स्व–सहायता समूहों (स्।।त्रह्य) द्वारा चलाया जाता है, जिससे पोषण और महिलाओं का सशक्तिकरण दोनों होता है, जिसमें गेहूं, दालें, और दूध जैसे घटक शामिल होते हैं, जो प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

स्वादिष्ट एवं पौष्टिक नमकीन दलिया तथा मीठा शक्ति आहार का निर्माण

जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तत्काल उपभोग हेतु तैयार पोषण आहार (रेडी टू ईट) निर्माण संयंत्र का शुभारंभ किया गया है। इन संयंत्रों में स्वादिष्ट एवं पौष्टिक नमकीन दलिया तथा मीठा शक्ति आहार का निर्माण किया जा रहा है, जो विटामिन 'एइ, विटामिन 'डीइ, थायमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन, पाइरीडॉक्सिन, फोलिक अम्ल, कोबालामिन, लोह तत्व (आयरन), कैल्शियम एवं जिंक जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर है।

तीनों संयंत्रों में 32 महिलाएं प्रत्यक्ष रूप से पोषण आहार निर्माण कार्य में संलग्न

जिले प्रशासन द्वारा जिले में कुल 07 पोषण आहार निर्माण संयंत्र स्थापित किए गए है। यहां वर्तमान में भैयाथान, प्रतापपुर एवं सूरजपुर विकासखंड में तीन संयंत्रों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इन तीनों संयंत्रों में 32 महिलाएं प्रत्यक्ष रूप से पोषण आहार निर्माण कार्य में संलग्न हैं। निर्मित पोषण आहार आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। इस प्रकार स्व–सहायता समूहों की महिलाएं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण में अप्रत्यक्ष किंतु अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इस सम्बन्ध में महत्वपूर्ण बात है कि पोषण आहार के निर्माण के साथ–साथ उसके वितरण की भी जिम्मेदारी भी महिला स्व–सहायता समूहों को सौंपी गई है।

भैयाथान विकासखंड में 15 स्व–सहायता समूह

सूरजपुर विकासखंड में 15 स्व–सहायता समूह तथा प्रतापपुर विकासखंड में 13 स्व–सहायता समूह सक्रिय रूप से वितरण कार्य में अपनी भूमिका निभा रही है। इन समूहों के माध्यम से कुल 430 महिलाएं आंगनबाड़ी केंद्रों तक पोषण आहार वितरण कार्य में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। इस योजना से महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। मानसिक रूप से सशक्त ये महिलाएं अब घरेलू कार्यों के साथ–साथ आजीविका से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

यह पहल न केवल निश्चित रूप से जिले में पोषण स्तर सुधारने में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

भारतीय उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ गया

ये मामला भारत में मोनोपॉली, ड्यूओपॉली और कार्टेल्स बनने की बढ़ती गई शिकायतों की पुष्टि है। इसी का परिणाम है कि उत्पादन संबंधी इनपुट लागत ऊंची बनी रही है, जिससे निवेश और बाजार के विस्तार के लिए प्रतिकूल स्थितियां बनी हैं।

कॉम्पीटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि बड़ी स्टील उत्पादक कंपनियों टाटा, जिंदल स्टील और सेल ने कई अन्य छोटी कंपनियों के साथ मिल कर कार्टेल (गुट) बनाया और देश में इस्पात की कीमत मिल–जुल कर तय की। 2015 से 2023 के बीच की कई अवधियों में ऐसा किया गया। यानी इन कंपनियों ने आपस में अपेक्षित प्रतिस्पर्धा नहीं की। जबकि पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में सिर्फ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से ही उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद उचित मूल्य पर मिल सकते हैं। जबकि उत्पादक कंपनियां मिलीभगत कर लें, तो गुणवत्ता पर समझौता करते हुए या मनमानी कीमत वसूलते हुए वे अपना मुनाफा बढ़ाती हैं। इसीलिए ऐसी प्रवृत्ति रोकने का कानून है। सीसीआई की जांच इस नतीजे पर पहुंची कि स्टील उत्पादक कंपनियों ने संबंधित कानून उल्लंघन किया।

सीसीआई के पास मामला बिल्डरों की अर्जी से पहुंचा, जिसमें इल्जाम लगाया गया था कि नौ स्टील कंपनियों ने मिलीभगत से बाजार में स्टील की उपलब्धता घटाई, ताकि वे महंगी दर पर अपने उत्पाद बेच सकें। सीसीआई ने इन कंपनियों के 56 अधिकारियों को दोषी ठहराया है, जिन पर भारी जुर्माना लगाए जाने की संभावना है। स्पष्टतः ये घटना भारतीय अर्थव्यवस्था में मोनोपॉली (एकाधिकार), ड्यूओपॉली (द्वि–अधिकार) और कार्टेल्स बनने की बढ़ती गई शिकायतों की पुष्टि है। इसी का परिणाम है कि उत्पादन संबंधी इनपुट लागत ऊंची बनी रही है, जिससे निवेश और बाजार के विस्तार के लिए प्रतिकूल स्थितियां बनी हैं।

हैरतअंगेज यह है कि ऐसी कंपनियों की सहायता के लिए सरकार भी सहर्ष आगे रही है। बीते हफ्ते ही केंद्र ने डंपिंग रोकने के नाम पर आयातित स्टील पर सेफगार्ड ड्यूटी लगाया। उसके बाद भारतीय स्टील कंपनियों ने अपने उत्पाद की कीमत में 2 से 4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी। यानी भारतीय उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ गया है। मुद्दा यह है कि जो उद्योग घराने अर्थव्यवस्था की बुनियादी जरूरतों पर अपने मुनाफे को इस तरह तरजीह दे रहे हों, क्या सरकार को उनकी मदद करनी चाहिए? देश के अंदर वे प्रतिस्पर्धा को रोक रहे हैं, तो उन्हें आयातित उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूर करने में क्या बुराई है?

टॉक्सिक का खतरनाक टीजर रिलीज

साउथ सुपरस्टार यश आज अपना 40वां बर्थडे मना रहे हैं. इस मौके पर एक्टर को फैंस और सेलेब्स से बधाइयों का तांता लग चुका है. यश ने भी अपने फैंस को रिटर्न गिफ्ट दे दिया है. यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक से आज एक्टर के 40वें बर्थडे पर बड़ा तोहफा मिल ही गया. यश के फैंस को इस तोहफे का बेसब्री से इंतजार था, क्योंकि बीती 7 जनवरी की शाम को फिल्म मेकर्स ने अपडेट दिया था कि 8 जनवरी की सुबह फिल्म टॉक्सिक से बड़ा अपडेट आएगा और आज यश की इस मास फिल्म के बड़े अपडेट से पर्दा हट गया है. टॉक्सिक का खतरनाक टीजर रिलीज हो गया है. 2.51 मिनट के टॉक्सिक के टीजर ने कहर ढा दिया है. टीजर यश की एंट्री को लेकर तैयार किया है, जो बहुत ही धमाकेदार है. टीजर इतना खतरनाक और बवालिया है कि अब बॉक्स ऑफिस पर तबाही होने से कोई नहीं रोक सकता है.

टीजर की शुरुआत कब्रिस्तान से होती है, जहां कुछ नामी–ग्रामी लोग किसी अपने को दफनाने आते हैं और कब्रिस्तान पर ताला लगा देते हैं, ताकि कोई अंदर ना घुसे. इसके बाद जो धमाका होता है, वो देखने के बाद किसी के भी रोंगटे खड़े हो सकते हैं. गीतू मोहनदास ने यश को बतौर राया इंट्रोड्यूस किया है कि बताया भी नहीं जा सकता है, लेकिन यश ने भी दिखा दिया कि वो भी किसी धुरंधर से कम नहीं हैं. टॉक्सिक का टीजर देखने के बाद यकीनन किसी के लिए भी फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार करना मुश्किल हो जाएगा. यश का डायलॉग डेडीस होम बवाल मचाने वाला है.

आशुतोष राणा की फिल्म वन टू चा चा चा का टीज़र रिलीज़

पेंलुसिडार प्रोडक्शन ने अपनी आगामी फिल्म वन टू चा चा चा का पहला टीजर जारी कर दिया है, और यह टीज़र बिल्कुल भी मामूली नहीं है।कैप्शनमें लिखा गया–प्यार – हंसी.. गोलियां – पटाखेज् ड्रग्स – गुंडे.. उदासी – पागलपन ..जेलब्रेक – दिल टूटना–वास्तव में दर्शकों को एकज़बरदस्त,हाई–वोल्टेज सफ़र के लिए तैयार करता है। पोस्ट का अंत दर्शकों को यह चेतावनी देता हैः तैयार हो जाइएज् यह सफ़र अब शुरू होता है! टीज़र में दिखाई गई दुनिया जोरदार, रंगीन और इमोशनल है। तेज़ कट्स में गोलियों की आवाज़, हंगामे भरे डांस फ्लोर, कॉमिक पल और एकरोमांचक जेलब्रेक सब कुछ शामिल है। हर फ्रेम में पागलपन और ड्रामा का तड़का है, जो फिल्म के अजीबोगरीब और मनोरंजक नाम को पूरी तरहजस्टिफाई करता है. एक रंगदारी के दौरान एक ग्रुप की गाडी और माल चोरी हो जाता है, और वही से शुरू होता हैं एक धमाकेदार सफर जिसमे हमेंआशुतोष राणा, ललित प्रभाकर, अनंत वी. जोशी, अभिमन्यु सिंह, मुकेश तिवारी, हर्ष मायर और नायरा बनर्जी जैसे दमदार कलाकार नजर आते हैं।टीज़र में उनकी छोटी–छोटी झलकियाँ दर्शकों को एक रोलरकोस्टर कहानी का अहसास कराती हैं–जहाँ हर किरदार अपने अंदाज़ में अनोखाऔरमनोरंजक लगता है।

डब्ल्यूपीएल 2026 के पहले रोमांचक मुकाबले में आरसीबी ने मुंबई को 3 विकेट से हराया

मुंबई,महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण (डब्ल्यूपीएल 2026) का शुभारंभ हो गया. पहले मैच में मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम में हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हुआ. इस मैच में आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 154 रन बनाए और आरसीबी के जीत के लिए 155 का टारगेट दिया. टारगेट का पीछा करते हुए 65 पर पांच विकेट गिरने के बाद आरसीबी ने शानदार वापसी की और मैच को आखिरी गेंद पर चौका लगाकर अपने नाम कर लिया. आरसीबी की तरफ से नादिन डी क्लर्क ने मैच जिताओ पारी खोली, उन्होंने 44 गेंदों पर 63 रनों की जबरदस्त पारी खेली, जिसमें

7 चौके और दो छक्के शामिल थे. आखिरी ओवर में आरसीबी को जीत के लिए 18 रनों की जरूरत थी, इसके बावजूद आरसीबी खिलाड़ी डी क्लर्क ने आखिरी चार गेंदों पर 6,4,6,4 रन मार कर हारा हुआ मैच जिता दिया.डी क्लर्क के अलावा कप्तान स्मृति मंधाना 13 गेंद में 18 रन, ग्रेस हैरिस ने 12 गेंद में 25 रन, हेमलता ने 12 गेंद में 7, ऋचा ने 6 गेंद में 6, राधा ने एक रन और अरुंधती रेड्डी ने 25 गेंद में 20 रन बनाए.इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत धीमी रही. टीम ने पांचवें ओवर में ही पहला विकेट गंवा दिया.अमेलिया केर 15 गेंद में 4 रन ही बना सकीं. बेल ने उन्हें आउट किया. ब्रंट ने तीन गेंद में चार बनाए. कमलिनी 32 रन बनाकर आउट हुईं. श्रेयंका ने उन्हें क्लीन बोल्ड किया. कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 17 गेंद में 20 रन बनाए. सजना ने 25 गेंद में ताबड़तोड़ 45 रन की पारी खेली. निकोला कैरी 29 गेंद में 40 रन बनाकर आउट हुईं. मुकाबले के लिए मुंबई इंडियंस की टीम में हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जी कमलिनी, नैट साइवर–ब्रंट, अमेलिया केर, अमनजोत कौर, निकोला कैरी, पूनम खेमनार, शबनीम इस्माइल, संस्कृति, एस सजना, सैका इशाक शामिल हैं.

द राजा साब का क्रेज़ः बढ़ी प्रभास की फिल्म की टिकट की कीमत

प्रभास स्टारर द राजा साब आज 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है. यह तेलुगु हॉरर–कॉमेडी कई भाषाओं में रिलीज होगी. प्रभास की जबरदस्त फैन फॉलोइंग की वजह से इसके बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है. इसी बीच आंध्र प्रदेश सरकार ने एक नया आदेश जारी किया है, जिसमें प्रभास की संक्रांति पर रिलीज होने वाली फिल्म के लिए टिकट की कीमतें बढ़ाने की इजाजत दी गई है. आंध्र प्रदेश सरकार ने प्रभास–स्टारर द राजा साब के लिए टिकट की कीमतें बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जिससे 2026 की संक्रांति पर रिलीज से पहले फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है. इस आदेश के तहत, इस हफ्ते से पूरे राज्य में पेड प्रीमियर और रेगुलर शो दोनों के लिए कीमतें बढ़ाई जा सकेंगी. सरकार के निर्देश के अनुसार, द राजा साब के पेड प्रीमियर शो कल से शुरू होंगे, और इन स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए टिकट की कीमत 1000 रुपये तय की गई है. इस कदम का मकसद प्रभास की पहली हॉरर फैंटेसी फिल्म को लेकर लोगों में भारी उत्साह का फायदा उठाना है. आंध्र प्रदेश सरकार का एक नोटिस सामने आया है. सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार, आज 9 जनवरी से शुरू होने वाले रेगुलर शो के लिए टिकट की कीमतें सिंगल स्क्रीन में 150 रुपये और मल्टीप्लेक्स में 200 रुपये बढ़ा दी गई हैं. इसका मतलब है कि आंध्र प्रदेश में पहले दस दिनों के लिए द राजा साब का टिकट सिंगल स्क्रीन में 297 रुपये और मल्टीप्लेक्स में 377 रुपये होगा.

डब्ल्यूपीएल में छठे या उससे नीचे के क्रम पर खेली गई सबसे बड़ी पारियां

मुंबई, विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु(आरसीबी) ने मुंबई इंडियंस को 3 विकेट से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 विकेट लेने के बाद 44 गेंदों में नाबाद 63 रन बनाकर आरसीबी को आखिरी गेंद पर जीत दिलाई। यहां हम डब्ल्यूपीएल में छठे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए सर्वोच्च पारी खेलने वाली बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं। क्लार्क इस विशिष्ट सूची में शीर्ष पर हैं क्योंकि उपर्युक्त मैच में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए यह पारी खेली। आरसीबी एक समय 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 65/5 के स्कोर से साथ जूझ रही थी। उसके बाद क्लार्क एक शानदार पारी खेली। उन्होंने अंतिम ओवर में 20 रन बनाए और आखिरी गेंद पर अपनी टीम को जीत दिलाई। प्रोटियाज स्टार ने 44 गेंदों में 63* रन बनाए,

वनडे क्रिकेटः घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड के खिलाफ ये हैं भारत की सबसे बड़ी जीत

नईदिल्ली, वनडे क्रिकेट में घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने कई बार रनों के लिहाज से बड़ी और यादगार जीत दर्ज की हैं। अपने मैदानों पर भारत ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में दमदार प्रदर्शन करते हुए कीवी टीम को बड़े अंतर से मात दी है। ये मुकाबले भारतीय टीम की ताकत को दर्शाते हैं। ऐसे में आइए घरेलू सरजमीं पर रनों के लिहाज से मिली भारत को सबसे बड़ी जीत पर नजर डालते हैं।

भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर सबसे बड़ी जीत साल 2016 में विशाखापत्तनम के मैदान पर मिली थी। भारत ने कीवी टीम को 190 रनों से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 269/8 का स्कोर बनाया था। जवाब में न्यूजीलैंड 79 रन पर ऑलआउट हो गई थी। रोहित शर्मा ने 70 और विराट कोहली ने 65 रन बनाए थे। अमित मिश्रा ने 6 ओवर में केवल 18 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

एक नजर

सिंचाई विभाग को जल्द मिलेगा नया भवन

रुद्रप्रयाग : नगर से लगे देवतोली में संचालित सिंचाई विभाग के उपखंड कार्यालय को नया भवन मिलेगा। यहां विभाग को नए भवन के निर्माण की स्वीकृति मिली है। करीब 95 लाख से सिंचाई विभाग का नया भवन तैयार होगा। पोखरी रोड पर देवतोली में सिंचाई विभाग का उपखंड कार्यालय संचालित है। अस्सी के दशक में स्थापित इस उपखंड कार्यालय की हालात बेहद खराब है। दीवारों में कई जगह दरारें आ गई हैं। विभाग ने इन दरारों को वैकल्पिक रूप से भरा है। यहां एक कार्यालय के साथ ही दो आवासीय भवन हैं। इस कार्यालय में कर्णप्रयाग और नारायणबगड़ ब्लॉक सहित गौचर नगर क्षेत्र के गांवों की सिंचाई, बाढ़ सुरक्षा सहित अन्य कार्यों के लिए लोग पहुंचते हैं। ऐसे में विभाग ने यहां नया भवन बनाने की स्वीकृति दी है। विभाग के सहायक अभियंता शुभम डोभाल ने बताया कि यहां विभाग के पास काफी भूमि है। ऐसे में नए भवन का निर्माण अलग से किया जाएगा। जिससे कार्यालय के काम काज के अलावा यहां आने वाले लोगों को भी सुविधा मिलेगी।

अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच जज की निगरानी में कराएं

चमोली : बदरीनाथ के विधायक और कांग्रेस नेता लखपत बुटोला ने कहा कि कोरोना काल में जिस योजना ने गांव की आर्थिकी चलाई उसी योजना को सरकार ठप करना चाह रही है। बिना इंटरनेट कनेक्टिविटी के गांवों में सुबह शाम बायोमीट्रिक हाजिरी के 125 दिन का रोजगार देने की बात केवल भाजपा सरकार का जुमला है। शनिवार को कर्णप्रयाग में आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक लखपत बुटोला ने कहा कि अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में करानी चाहिए। इसके लिए कम से कम तीन माह की समय सीमा निर्धारित होनी चाहिए। कांग्रेस प्रदेश महामंत्री हरिकृष्ण भट्ट ने कहा भालुओं के हमलों से ग्रामीण परेशान है। घायल लोगों के उपचार के लिए सरकार को पांच लाख तक का मुआवजा देना चाहिए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेश डिमरी ने कहा कि सरकार को मनरेगा में फेरबदल करने से पहले उसकी विसंगतियों पर ध्यान देना होगा। इस मौके पर महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष उषा रावत, ब्लॉक अध्यक्ष गौतम मिंगवाल, नगर अध्यक्ष महेश खंडूड़ी, हरीश चौहान, सुभाष रावत, लक्ष्मण बिष्ट, ईश्वरी मैखुरी, राजेश्वरी देवी, अंशी देवी, संदीप चमोली आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

सात दिवसीय एनएसएस शिविर सम्पन्न

रुद्रप्रयाग : सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज बेलनी रुद्रप्रयाग की एनएसएस इकाई के सात दिवसीय शिविर का शनिवार को समापन हो गया। पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज में सम्पन्न हुए इस सात दिवसीय शिविर में बच्चों ने विभिन्न सामाजिक व जागरूकता कार्यक्रम किए। समापन अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा के सम्मुख मुख्य अतिथि कुशलानंद पुरोहित, विद्यालय के प्रधानाचार्य शशि मोहन उनियाल, कार्यक्रम अधिकारी प्रेम सिंह नेगी, सहायक कार्यक्रम अधिकारी शरद चौधरी, बबली बमोला और अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि कुशलानंद पुरोहित और प्रधानाचार्य शशि मोहन उनियाल ने एनएसएस के सभी स्वयं सेवियों द्वारा सात दिवसीय शिविर की अनुशासन सेवा भाव समर्पण के साथ सफलता पूर्वक संपन्न करने पर बधाई दी ।

सुकून पर ग्रहण, नींद में वन विभाग

शहर में बदहाल स्थिति में पड़े हैं वन विभाग के पार्क, शिकायत के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं कर रहा विभाग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ठंड के मौसम में धूप का आनंद लेने के लिए आमजन पार्कों की ओर अपना रुख करता है। लेकिन, कोटद्वार शहर में वन विभाग के बदहाल पार्क आमजन के सुकून पर ग्रहण बन रहे हैं। पार्क में घूमना तो दूर आमजन पार्क की ओर झांकने से भी कतरा रहे हैं। देखरेख के अभाव में बदहाल पार्क असामाजिक तत्वों का अड्डा बनते जा रहे हैं। लगातार शिकायत के बाद भी वन विभाग पार्कों की स्थिति में सुधार की सुध नहीं ले रहा। वन विभाग की ओर से आमजन की सुविधा के लिए सिद्धबली मंदिर के समीप, सनेह क्षेत्र में व घराट क्षेत्र में पार्क का निर्माण करवाया गया था। लेकिन, वर्तमान में यह पार्क बदहाल स्थिति में पहुंच चुके हैं। यदि बात की जाएं सिद्धबली पार्क की तो कुछ वर्ष पूर्व वन विभाग ने दस लाख रुपये की लागत से इसकी मरम्मत थी। पार्क में बकायदा बच्चों का ओपन जिम भी तैयार करवाया गया। टाइल्स के साथ ही नए झूले लगाए गए। लेकिन, देखरेख के अभाव में यह पार्क बदहाल हो चुका है। बच्चों के लिए लगाए गए झूले टूट चुके हैं। पार्क में चारों ओर झाड़ियां उगी हुई हैं। जबकि, पार्क के समीप ही वन विभाग का कार्यालय भी है। बावजूद वन विभाग के इसकी कोई सुध नहीं ली। सनेह स्थित पार्क की स्थिति भी यही बनी हुई है। झाड़ियों के कारण शहरवासी पार्क की ओर जाना भी सुरक्षित नहीं समझते। घराट स्थित वन विभाग के पार्क की सबसे बुरी स्थिति बनी हुई है। पार्क के चार दीवारी टूट चुकी है। सुबह से ही पार्क में शराबियों व असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहा है। कुछ दिन पूर्व स्थानीय लोगों ने समस्या से वन विभाग व पुलिस को भी अवगत करवाया था। लेकिन, सिस्टम ने इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। नतीजा, शाम ढलते ही लोगों का पार्क की ओर पैदल जाना भी मुश्किल हो जाता है।

कोटद्वार के घराट क्षेत्र में बदहाल स्थिति में पड़ा वन विभाग का पार्क

पुलिस गश्त की मांग

घराट क्षेत्र के लोगों ने पार्क की अनदेखी पर वन विभाग के प्रति रोष व्यक्त किया है। कहा कि वर्तमान में पार्क असामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुका है। देर रात तक पार्क से असामाजिक तत्वों की आवाजें आती रहती हैं। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी महिलाओं को होती है। क्षेत्रवासी रीता देवी, मुन्नी देवी ने बताया कि क्षेत्र में गश्त करने वाली पुलिस को पार्क की ओर भी झांककर देखना चाहिए। कई बार शिकायत के बाद भी पुलिस कोई कार्रवाई तक नहीं करती। ऐसे में लगता है कि पुलिस को किसी बड़ी घटना का इंतजार है।

महात्मा गांधी के नाम को मिटाना चाहती है सरकार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलकर केंद्र सरकार महात्मा गांधी के नाम को मिटाना चाहती है। कहा कि देश की आजादी में दिए गए महात्मा गांधी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि कांग्रेस केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन करेगी।

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज केंद्र सरकार जन विरोधी नीतियां अपना रही है। विकास के नाम पर योजनाओं का नाम बदला जा रहा है। देश को गुलामी से आजादी दिलवाने वाले महात्मा गांधी के नाम को मिटाने की साजिश रची जा रही है। कहा कि महात्मा गांधी केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के मार्ग दर्शक रहे। कहा कि मनरेगा का स्वरूप भी बदला जा रहा है, जिससे ग्रामीण भारत की परिकल्पना को भी समाप्त किया जा रहा है। कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने यह योजना एक गारंटी के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए लागू की गई थी।

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी

योजना के तहत ग्रामीणों को सौ दिन की रोजगार की गारंटी थी। जिससे देश के करोड़ो लोगों को फायदा हो रहा था। लेकिन अब योजना का नाम बदलकर उसके स्वरूप को बदला जा रहा है। जिससे अब योजना पूरी तरह से केंद्र सरकार की कृपा पर निर्भर रहेगी। कहा कि केंद्र सरकार को आम जनता से कोई लेना देना नहीं है। वह सिर्फ अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए योजनाओं का नाम बदल रही है। जिसका कांग्रेस पार्टी पुरजोर तरीके से विरोध करेगी। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण, साबर सिंह नेगी, मदन सिंह रावत मौजूद रहे।

पेयजल योजना के पाइप दो साल से सड़क पर खा रहे जंग

उत्तरकाशी : वन अधिनियम के फेर में फंसी क्वाड़ी पेयजल योजना के पाइप दो साल से सड़क में जंग खा रहे हैं। सड़क पर पड़े पेयजल योजना के पाइपों की अब चोरी होने का भी भय बना हुआ है। साथ ही ग्रामीणों को स्रोत से ही पीने का पानी ढोना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द ही समस्या का निस्तारण करने की मांग की। जल जीवन मिशन के तहत क्वाड़ी गांव के लिए 40.25 लाख की लागत से स्वीकृत पेयजल योजना वन विभाग पेंच की वजह से दो साल बाद भी नहीं बन पाई है। योजना को गांव से छः किमी. दूर स्यालडी जल स्रोत से बिछाया जाना था। इसका क्वाड़ी और कुंड गांव की एक हजार आबादी को लाभ मिलना था। पेयजल योजना के तहत बनने वाले सप्लाई टैंक भी बन कर तैयार हैं। पाइप बिछाने का कार्य शेष रह गया था। इन्हें बिछाने के लिए वन विभाग की अनुमति नहीं मिल पाई है। क्वाड़ी गांव के सौ परिवारों की प्यास बुझाने के लिए स्यालडी तोक से सात किमी. लंबी पेयजल लाइन बिछाई जानी थी जो दो वर्षों से वन विभाग के पेंच में उलझ कर रह गई है। कार्यदायी संस्था जल निगम दो वर्ष बाद भी वन विभाग की आपत्ति को क्लीयर नहीं कर पाया है। क्वाड़ी गांव के पूर्व प्रधान शांती लाल का कहना है कि योजन बनने से पेयजल किल्लत दूर होने की उम्मीद जगी थी जो दो साल बाद भी पूरी नहीं हो पाई। गर्मियों में ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है। साधु लाल पलियाल, उप प्रभागीय वनाधिकारी अपर यमुना वन प्रभाग ने बताया कि क्वाड़ी पेयजल योजना पर केंद्र सरकार की नोडल एजेंसी की ओर से आपत्ति लगाई गई है जिसको बदला जाना था।

ग्रामीणों को दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत विकासखंड रिखणीखाल की न्याय पंचायत चुरानी में बहुद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने अधिकारियों को अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया।

शिविर की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी शालिनी मौर्य ने की। उपजिलाधिकारी ने ग्रामीणों को सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया। कहा कि ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिकी को बेहतर बनाना चाहिए। इस दौरान ग्रामीणों को खेती के प्रति भी जागरूक किया गया। बहुद्देशीय शिविर में 17 शिकायतें दर्ज की गई। जिसमें से अधिकांश का मौके पर निराकरण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य, समाज कल्याण, बाल विकास, वन, राजस्व, कृषि, उद्यान सहित कुल 23 विभागों के स्टाल लगाए गए। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख रेनू रावत, सहायक खंड विकास अधिकारी प्रकाश असवाल, एके मिश्रा, भगत सिंह, कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

गुलदार की धमक, दहशत में जी रहे ग्रामीण

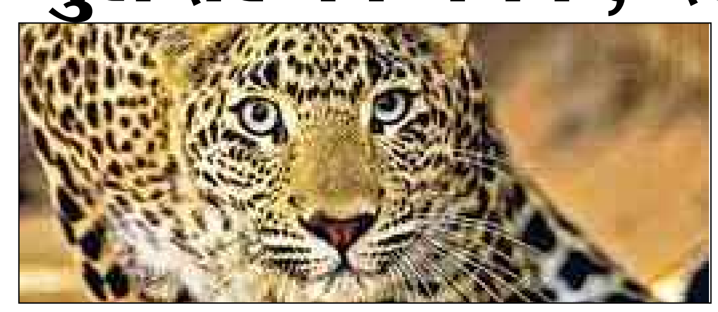

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रखंड नैनीडांडा में गुलदार की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। आए दिन गुलदार गांव के आसपास घूमता हुआ नजर आ रहा है। पिछले एक सप्ताह में गुलदार कई मवेशियों को अपना निवाला भी बना चुका है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है।

इस संबंध में ग्रामीणों ने सोमवार को उपजिलाधिकारी श्रेष्ठ गुनसोला के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। प्रधान संघ नैनीडांडा के अध्यक्ष मनोज मधवाल ने बताया कि क्षेत्र में गुलदार की धमक लगातार बढ़ती जा रही है। इसके कारण ग्रामीण घरों में कैद होने को मजबूर हो गए हैं। सबसे अधिक चिंता बच्चों व बुजुर्गों की बनी हुई है। ग्राम ख्योनाई में गुलदार अब तक नौ बकरियों को अपना निवाला बना चुका है। बराथ में भी कुछ दिन पहले गुलदार ने एक गाय व जोगिड़ा में भी बकरियों को निवाला बना दिया था। ग्राम खुटीडा में भी गुलदार लगातार मवेशियों को अपना निवाला बना रहा है। बताया कि क्षेत्र में एक अज्ञात जानवर भी गौशाला को तोड़कर गाय व बछिया को अपना निवाला बना रहा है। साथ ही क्षेत्र में भालू की दहशत भी बढ़ती जा रही है। कुछ दिन पूर्व जानवर ने ग्राम बडोलगांव में एक गौशाला की छत को तोड़ दिया था। वन क्षेत्राधिकारी दीवा रेंज सुभाष चंद्र घिल्डियाल ने ग्रामीणों को जंगली जानवरों से सचेत रहने की अपील की। जानवरों से निजात के लिए क्षेत्र में ट्रैप कैमरे लगाए जाएंगे। इस मौके पर ग्राम प्रधान संजना देवी, चमन सिंह बिष्ट, भारती देवी, अंजू देवी, महिपाल सिंह, सूरज सिंह आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों के मवेशियों को निवाला बना रहा गुलदार

कोटद्वार : प्रखंड एकेश्वर के अंतर्गत गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन गुलदार आबादी क्षेत्र में आकर मवेशियों को निवाला बना रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गशत बढ़ाने व पिंजरा लगाने की मांग की है। शुक्रवार को पाटीसैंण स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप गुलदार आ धमका। गुलदार ने दहाड़ना शुरू किया तो ग्रामीण गुलदार को देखने के लिए अपने छतों पर एकत्रित हो गए, जिसके बाद गुलदार ने तेजी से दहाड़ना शुरू कर दिया। आखिरकार ग्रामीणों ने पटाखे फोड़ कर गुलदार को वहां से भगाया। उधर, गुलदार के इस व्यवहार से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गशत बढ़ाने व गांव के आसपास पिंजरा लगाने की मांग की है। ग्रामीण कल्याण सिंह, ललित सिंह असवाल ने बताया कि इन दिनों तछवाड, सकिंडा, ग्वाड़, थापली, डोबल, कठुली क्षेत्र में गुलदार सक्रिय है, आए दिन ग्रामीणों को आबादी क्षेत्र में गुलदार दिखाई दे रहा है। कहा कि गुलदार कभी भी ग्रामीणों पर हमला कर सकता है। वन विभाग को हिंसक जानवरों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने के लिए ठोस इंतजाम करने चाहिए।

गढ़वाल राइफल्स को हराकर फाइनल में पहुंची मेरठ की टीम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्व. शशिधर भट्ट की स्मृति में चल रहे फुटबॉल गढ़वाल कप टूर्नामेंट में शनिवार को सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। जिसमें मेरठ की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए गढ़वाल राइफल्स को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस दौरान मुकाबला देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। फाइनल मुकाबला मेरठ स्ट्राइकर व गढ़वाल हीरोज के मध्य खेला जाएगा। राजकीय स्टेडियम में आयोजित सेमीफाइनल मुकाबले को देखने के लिए सुबह से ही लोगों की भीड़ लगी हुई थी। स्टेडियम लोगों से खचाखच भरा हुआ था। टूर्नामेंट में शनिवार को 16 गढ़वाल राइफल्स व मेरठ स्ट्राइकर के मध्य फाइनल में पहुंचने के लिए मुकाबला शुरू हुआ। खेल के 26वें मिनट में मेरठ के आदित्य तोमर ने गढ़वाल राइफल्स के डिफेंस को चीरते हुए गेंद को पोस्ट में पहुंचा कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। मेरठ के स्ट्राइकर यही नहीं रूके और 40वें मिनट में आशु ने गढ़वाल राइफल्स के गोलकीपर को छकाते हुए टीम के लिए दूसरा गोल कर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी। मैच के दूसरे हाफ में गढ़वाल राइफल्स ने मैच में वापसी के प्रयास किए। इस प्रयास में गढ़वाल राइफल्स के अनुज ने मेरठ की रक्षा पंक्ति को भेद स्कोर को 2-1 कर दिया। लेकिन, इसके बाद गढ़वाल राइफल्स की टीम कोई गोल न कर सकी और मेरठ ने मुकाबला 2-1 से जीत लिया। इस मौके पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, सुमन कोटनाला, गिरिराज सिंह रावत, समिति के अध्यक्ष अरूण भट्ट, महासचिव सुनील रावत, उपाध्यक्ष मनीष भट्ट, अनिल भट्ट, सुरेंद्र सिंह, महेंद्र रावत, धीरेंद्र सिंह कंडारी, शिवम नेगी सहित अन्य मौजूद रहे। सुरदीप सिंह गुसाईं, तरुण इष्टवाल व मेहरबान सिंह नेगी ने मैच का आंखों देखा हाल सुनाया।

स्टेडियम में फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी

एनएसएस से होगा छात्रों का चहुमुखी विकास

अउराइंकॉ बुंगीधार का सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बुंगीधार की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर रंगारंग कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ। इस मौके पर शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयं सेवियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

समापन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानाचार्य देवी प्रसाद ढौड़ियाल, ग्राम प्रधान गाडिगांव दिनेश कुमार, पूर्व अध्यक्ष अभिभावक शिक्षक संघ जगदीश सुमन, वन विभाग पापतोली से वन दरोगा हीरा सिंह नेगी, वन आरक्षी सचिन रावत ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यार्थियों में राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से पढ़ाई के साथ-साथ देश के प्रति सेवा एवं सामाजिक सहयोग की भावना का विकास होता है। कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास का पूर्ण मंच है। इसके द्वारा छात्र-छात्राओं का चहुमुखी विकास होता है। कार्यक्रम अधिकारी गजेंद्र सिंह गुसाईं ने शिविर की उप्लब्धधियों के बारे बताया। इस मौके पर सह कार्यक्रम अधिकारी मनोज रावत, मुकेश कंडारी व श्रीमती गुड्डी देवी आदि मौजूद रहे।

पुरोला और मोरी में युवाओं ने थामा यूकेडी का दामन

उत्तरकाशी : उत्तराखंड क्रांति दल ने रवांई घाटी में संगठन को मजबूत करने के लिए दो दिवसीय भ्रमण में व्यापक सदस्यता अभियान शुरू कर दिया है। प्रदेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष आशीष नेगी के नेतृत्व में रवांई घाटी के पुरोला और मोरी क्षेत्र के दो दिवसीय भ्रमण किया। साथ ही सदस्यता अभियान में दर्जनों युवाओं और बुजुर्गों से मिलकर यूकेडी की आगामी रणनीति के बारे में विस्तृत से चर्चा की। रवांई भ्रमण के दौरान दल के युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष आशीष नेगी का पुरोला पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं भव्य स्वागत किया। वहीं, आशीष नेगी ने पुरोला में स्वर्गीय बर्फिया लाल जुवांठा स्मारक पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से वार्ता की। कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल प्रदेश के युवाओं किसानों आम जनता को जोड़ने के लिए गांव-गांव सदस्यता अभियान चला रही है। उन्होंने प्रदेश के हित में क्षेत्र के युवाओं और बुजुर्गों से संगठन की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान के तहत पार्टी पदाधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को यूकेडी की नीतियों से जोड़ रहे हैं। वहीं, उन्होंने आम लोगों से उत्तराखंड क्रांति दल की सदस्यता अभियान में शामिल होने की अपील की।

योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं

रुद्रप्रयाग : गुलाबराय मैदान में आयोजित किए जा रहे योग शिविर के चौथे दिन पुलिस कर्मियों ने मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़े आसन किए। इस दौरान जवानों को योग प्रशिक्षकों ने कमर दर्द और शारीरिक थकान को दूर करने के लिए विशेष स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज सिखाई। सत्र का आयोजन पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध घिल्डियाल की उपस्थिति में हुआ। उन्होंने भी कर्मियों के साथ योग किया। उन्होंने बताया कि कठिन ड्यूटी के बीच मानसिक एकाग्रता और धैर्य बनाए रखने के लिए योग एक अनिवार्य माध्यम है। उन्होंने सभी से इसे दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने को कहा। (एजेंसी)

सिमली महिला बेस अस्पताल में महिला रोग विशेषज्ञ की नहीं हुई तैनाती

चमोली : नगर के सिमली में संचालित अस्पताल का नाम महिला बेस अस्पताल होने के बाद भी यहां महिला रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं हो पाई। हालात यह है कि बिना विशेषज्ञ चिकित्सकों के चलते अस्पताल शोपीस बना है। यही नहीं संसाधन नहीं होने से लोगों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। जनपद में महिला स्वास्थय को बेहतर लाभ मिले इसके लिए सिमली में महिला बेस अस्पताल को स्वीकृति मिली। बीते तीन सालों से संचालित हो रहे इस अस्पताल में हड्डी, जनरल सर्जन सहित निश्चेतक चिकित्सक तैनात हैं। हालांकि इन विशेष चिकित्सकों की तैनाती होने के बाद भी ऑपरेशन थियेटर में संसाधन, एक्सरे टेक्नीशियन न होने से लोगों को बेहतर उपचार नहीं मिल पा रहा है। दुग्ध संघ की पूर्व अध्यक्ष राजेश्वरी नेगी का कहना है कि सिमली में महिला रोग विशेषज्ञ की तैनाती होने पर गर्भवती महिलाओं सहित अन्य को बेहतर उपचार की सुविधा मिलती। वहीं चमोली के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता ने बताया कि सिमली में महिला मेडीकल ऑफिसर की तैनाती है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र दीपक बिष्ट एवं पुत्रवधु आरती बिष्ट मेरे कहने सुनने में नहीं है। मैं अपने पुत्र दीपक बिष्ट एवं पुत्रवधु आरती बिष्ट को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। मेरे पुत्र व पुत्रवधु द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के कृत्य के लिए मैं तथा मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं रहेगा।

मनमोहन सिंह पुत्र कुंवर सिंह
निवासी ग्राम बालासौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1562/21)

भलु लगद फीलगुड संस्था ने मनाया 11वां स्थापना दिवस

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : भलु लगद फीलगुड संस्था का 11वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, वहीं महिला मंगल दलों द्वारा थड्या, चोफला, भलु लगद पुरुष थड्या टीम द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। इस मौके पर समाज में उत्कृष्ट कार्य वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

भलु लगद फीलगुड नॉलेज एंड इनफार्मेशन सेंटर गवांणी में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से किया गया। तत्पश्चात भलु लगद मांगल टीम द्वारा मांगल गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर संस्था के मार्गदर्शक सुधीर सुंदरियाल ने संस्था की 11 वर्षों की सामाजिक यात्रा, उपलब्धियों एवं जनहित में किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा शिक्षा, जल संरक्षण, बंजर खेत आबाद करो अभियान, पर्यावरण संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर जमीनी स्तर पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में संस्था से जुड़े भगवान सिंह राणा, सुधीर कुमार सुंदरियाल को उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भलु लगद फीलगुड संस्था द्वारा 100 महिलाओं एवं पुरुषों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया, जबकि 50 बच्चों को कॉपी-पेन भेंटकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अशोक सुंदरियाल ने किया। कार्यक्रम में गिरीश नौड़ियाल, डॉ. प्रेम बहुखंडी, संतोष ध्यानी, विजय भूषण बडोनी, लता भूषण बडोनी, ब्लॉक प्रमुख संजय सिंह गुसाईं, सुरेंद्र सिंह रावत, जिला पंचायत सदस्य बलवंत सिंह नेगी, महाराजा अग्रसेन गढ़वाल विश्वविद्यालय धैड़गांव के डायरेक्टर संजय ऋषिवर, अमित मुंडेपी, गिरीश चंद्र सुंदरियाल, पुष्पा सुंदरियाल, हेमलता सुंदरियाल, रजनी डंडरियाल, राजेंद्र सिंह रावत, रेनू रावत, हरीश मुंडेपी, गिरीश मालकोटी, सूरत सिंह रावत, शैलेश पोखरियाल, भगवान सिंह राणा, प्रधान ड्वीला तल्ला धर्मपाल नेगी, प्रधान मजगांव सीता देवी, प्रधान गवांणी रेखा देवी, मालकोट प्रधान नेहा, बसंत सुंदरियाल, दिव्या बुड़ाकोटी डोभाल, रविन्द्र नेगी, ईशु नेगी, वंदना नेगी, अनीता रावत, निशा भंडारी, अभिषेक रावत, सुजल रावत, प्रतिभा गुसाईं, कशिश गुसाईं आदि मौजूद थे।

पुल निर्माण की मांग को मुख्यमंत्री से मुलाकात की

उत्तरकाशी : विकासखंड चिन्यालीसौड़ के तुल्याड़ा गांव के पास पुल न होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कनिष्ठ प्रमुख प्रतिनिधि व नेरी गांव निवासी हरीश थपलियाल ने सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर पुल निर्माण के संबंध में पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री को सौंपे पत्र में हरीश ने बताया कि धरासू-जोगत मोटर मार्ग पर तुल्याड़ा गांव के समीप के पिराड़ा की पहाड़ियों से सालों से पत्थरों की बरसात हो रही है। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है जिससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ता है। पिराड़ा की पहाड़ी से पत्थर गिरने से कई लोगों को जान भी गंवानी पड़ी। उन्होंने जनहित को ध्यान में रखते हुए जल्द पुल निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पुल निर्माण से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और ग्रामीणों की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हो सकेगा। सीएम ने संबंधित विभाग को प्रस्ताव का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल अभियन्ता III/ मुरादाबाद द्वारा ई-टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमान्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	270-DRM-MB-25-26 Date 08.01.2026	276-DRM-MB-25-26 Date 08.01.2026	277-DRM-MB-25-26 Date 08.01.2026	282-DRM-MB-25-26 Date 08.01.2026	283-DRM-MB-25-26 Date 08.01.2026
कार्य का नाम	Provision of Gang Tools Cum Rest Room in the the Section of SSE/ W/ SPN & RAC under ADEN/SPN	Misc. P.way works in connection with track maintenance in the section of SSE/ P.way/ BE (Except BE Yard) under ADEN/BE	Misc. P. Way works in C/W Track maintenance of the Section of SSE/P. way/RMU under ADEN/BE	Civil work in C/w maintenance of Bridges, FOB, ROB/ RUBS and other associate works in the section ADEN/BE	Misc. Track Work in the Section of SSE/ P.way/ BE in BE Yard & approaches under ADEN/ BE.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक समय	04.02.2026 at 16:00 Hrs	04.02.2026 at 16:00 Hrs	04.02.2026 at 16:00 Hrs	04.02.2026 at 16:00 Hrs	04.02.2026 at 16:00 Hrs
अनुमानित लागत (₹)	64,98,697.48	89,98,961.02	79,99,745.05	1,14,98,549.73	64,99,154.52
धरोहर राशि (₹)	1,30,000.00	1,80,000.00	1,60,000.00	2,07,500.00	1,30,000.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	21.01.2026	21.01.2026	21.01.2026	21.01.2026	21.01.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 Months	12 Months	12 Months	12 Months	12 Months

नं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 10.01.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 112/2026

संक्षिप्त समाचार

अस्थमा अटैक से पीड़ित महिला को एयर एंबुलेंस से भेजा एम्स

उत्तरकाशी : अस्थमा अटैक से गंभीर रूप से पीड़ित एक महिला को हेली एंबुलेंस के माध्यम से समय रहते एम्स रेफर किया गया। एम्स रेफर होने के बाद समय पर उपचार मिलने से मरीज की जान बच गई। उप जिला चिकित्सालय पुरोला के डॉ. मनोज असवाल ने बताया कि शनिवार सुबह अस्थमा से पीड़ित महिला सुशीला शर्मा को चिकित्सालय लाया गया था। जांच करने पर पता चला कि महिला अचानक तेज अस्थमा अटैक आया था। अस्पताल पहुंचने पर मरीज का ऑक्सीजन स्तर बेहद कम था। स्थिति की गंभीरता व अस्पताल में आईसीयू केयर सुविधा नहीं होने के चलते मरीज को हायर सेंटर रेफर करना जरूरी था। इसके बाद हेली एंबुलेंस की सहायता से दोपहर करीब दो बजे मरीज को एम्स भेजा गया। एम्स रेफर होने के बाद महिला की हालत ठीक बताई जा रही है। उनका कहना है कि यदि उप जिला चिकित्सालय में आईसीयू केयर सुविधा होती तो शायद इस प्रकार के मरीजों को हायर सेंटर रेफर करने की जरूरत नहीं पड़ती। दूसरी ओर डॉ. असवाल की सूझबूझ व तत्परता से समय पर मरीज को हायर सेंटर रेफर करने के प्रयासों की क्षेत्र के लोगों ने खूब सराहना की है। (एजेंसी)

भाजपा सरकार ने मनरेगा का नाम बदल कर महात्मा गांधी का अपमान किया:संजय किशोर

देहरादून। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संजय किशोर ने मसूरी में पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा सरकार ने मनरेगा का नाम बदल कर महात्मा गांधी को अपमान किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मनरेगा का नाम बदल कर गरीबों का रोजगार छीनने की तैयारी की है जिस पर एआईसीसी व पीसीसी के दिशा निर्देश पर आम जनता को इसके बारे में बताने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा को कांग्रेस बंद करना चाहती है जिसमें अवरोध पैदा किए जा रहे हैं। अब कहते हैं कि एक सौ पच्चीस दिन रोजगार दिया जायेगा लेकिन साठ दिन भी नहीं दिया जायेगा। अब मांग के अनुसार रोजगार नहीं मिलेगा, इसकी गारंटी नहीं है। यूपीए के समय रोजगार की गारंटी थी। इसमें केंद्र साठ व राज्य चालीस प्रतिशत देगा ऐसे में जहां सरकारें नहीं है वहां कैसे होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता पूरे प्रदेश में एक एक मुद्दों को जनता के सामने ला रहा है जिससे बीजेपी के जनविरोधी नीति को समझ रही है व आने वाले 2027 में प्रदेश के कांग्रेस की सरकार बनेगी। अंकिता भंडारी कांड की सीबीआई जांच पर जिलाध्यक्ष संजय किशोर ने कहा कि इसमें मातृ शक्ति, उत्तराखंड के सभी वर्गों का संघर्ष, कांग्रेस का संघर्ष रहा जिस पर सरकार को झुकना पड़ा व सीबीआई जांच की संस्तुति की। इस मौके पर पूर्व पालिकाध्यक्ष मनमोहन सिंह मल्ल, पीसीसी सदस्य उपेंद्र थापली, वसीम खान, महेश चंद, तेजपाल सिंह रौथाण, अजीत अहमद, महिमानंद, प्रशांत खंडूरी, रितेश जोशी, नीरज पाल, राजीव अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

पड़ोसियों पर महिला को स्कूटर से कुचलने की कोशिश

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला ने चार पड़ोसियों पर स्कूटर से कुचलने की कोशिश का मुकदमा दर्ज करवा दिया है। रास्ता रोकने के साथ अभद्र व्यवहार और मानसिक उत्पीड़न का आरोप भी लगाया। इस मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आंबेडकर नगर ज्वालापुर निवासी पलविंदर कौर पत्नी राम सिंह ने पुलिस को बताया कि 26 नवंबर 2025 की शाम पड़ोस में रहने वाले अभिमन्यु कुमार ने जानबूझकर स्कूटर से उनको टक्कर मारने का प्रयास किया, जिससे गंभीर चोट लग सकती थी। महिला ने खुद को किसी तरह बचाया। आरोप है कि अभिमन्यु का भाई विवेक कुमार उसे गुस्से से घूरता रहा। इससे पहले 19 नवंबर 2025 की रात विवेक ने अपने मित्र के साथ मिलकर रास्ता रोकने का प्रयास किया और आपत्तिजनक टिप्पणी की। विरोध करने पर उसके माता-पिता राजेश कुमार और शारदा देवी ने भी गाली-गलौच की। महिला का दावा है कि यह पूरी घटना उसके घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है।

रुड़की में मशालें लेकर सड़कों पर उतरी मातृशक्ति

रुड़की। अंकिता भंडारी हत्याकांड में सिटिंग जज की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग को लेकर शनिवार को अशोक नगर क्षेत्रीय विकास समिति और चिह्नित आंदोलनकारी संघर्ष समिति के नेतृत्व में मशाल रैली निकाली गई। हाथों में मशालें थामे महिलाओं का हुजूम ढंडेरा अशोक नगर से शुरू होकर शिवाजी कॉलोनी के विभिन्न मार्गों से गुजरा। रात के अंधेरे में मशालों की गूंज और अंकिता के हत्यारों को फांसी दो के नारे लगाए।

लोक संस्कृति के संरक्षण से मजबूत होगी देवभूमि की पहचान : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज छाम, टिहरी गढ़वाल में सांस्कृतिक विकास समिति द्वारा आयोजित प्रथम खेलकूद एवं सांस्कृतिक महोत्सव के समापन समारोह में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया तथा यूसीसी के तहत पंजीकरण करवाने वाले लोगों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने भगवान नागराजा की पवित्र भूमि को नमन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हमारी लोक-संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण और नई पीढ़ी को उनसे जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का कार्य किया जा रहा है। अयोध्या में राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल कॉरिडोर तथा बद्रीनाथ-केदारनाथ धाम को भव्य रूप दिया गया है। राज्य सरकार भी राज्य में हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर सहित विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को खेलभूमि के रूप में विकसित किया जा रहा है। खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देने के लिए स्पोर्ट्स अकादमी की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि टिहरी झील को अंतराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के उद्देश्य से ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग सहित विभिन्न साहसिक खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं तथा झील के चारों ओर रिंग रोड निर्माण से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार पूर्ण निष्ठा से कार्य कर रही है। कहा कि सरकार किसी भी कीमत पर प्रदेश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक मूल्यों से समझौता नहीं करेगी तथा देवभूमि के सम्मान की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता से कार्य करती रहेगी। इस मौके पर विधायक प्रीतम सिंह पंवार, विधायक किशोर उपाध्याय, थौलधार ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र भंडारी, पूर्व प्रमुख ज्योत सिंह बिष्ट, संजय नेगी, विनोद उनियाल, ब्लाक भाजयुमो प्रदेश महामंत्री मुलायम सिंह रावत, पूर्व प्रमुख खेम सिंह चौहान एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

स्टेट हाईवे थराली-देवाल-लोहाजंग-वाण पर लग रही इंटरलॉकिंग टाइल

रुद्रप्रयाग : स्टेट हाईवे थराली-देवाल-लोहाजंग-वाण सड़क पर कीचड़ व गड्ढों से होने वाले परेशानी खत्म होगी। विभाग की ओर से यहां इंटरलॉकिंग टाइल लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। सड़क पर कई जगह में कीचड़ व सीलन होने से स्थिति खतरनाक बनी हुई है। इस मार्ग के कोठी-नंदकेशरी के पास, जीएमवीएन के पास, देवाल टैक्सी पार्किंग के पास, देवाल बाजार व नरम नौला के बीच सीलन होने से यहां पर 2013 के बाद डामर नहीं पड़ा। अब विभाग ने प्रथम चरण में इस सड़क के सीलन व चट्टानी जगह नंदकेशरी व कोठी के बीच इंटरलॉकिंग टाइल लगाने का काम शुरू कर दिया है। यहां टाइल लगाने के लिए साढ़े सात लाख की धनराशि स्वीकृत हुई है। लोनिवि के ईई रमेश चंद्र ने बताया कि नंदकेशरी के पास करीब 130 मीटर में सीलन है। यहां पर इंटरलाकिंग टाइल्स का काम चल रहा है। (एजेंसी)

सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था नहीं, राहगीर परेशान

उत्तरकाशी : जिले में इन दिनों कड़ाके की सर्दी से जनजीवन प्रभावित है। नगर क्षेत्र के सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था नहीं होने से राहगीरों, मजदूरों, यात्रियों और असहाय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पालिका की ओर से कुछ दिन अलाव जलाए गए, लेकिन अब लकड़ी नहीं मिलने के कारण यह सुविधा बंद कर दी गई है।

जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में विश्वनाथ चौक, बस स्टैंड सहित प्रमुख चौराहों, बाजार और अस्पताल के आसपास हर साल ठंड के मौसम में नगर पालिका की ओर से अलाव जलवाए जाते हैं। इससे रात के समय ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों, असहाय लोगों और दूर-दराज से आने वाले मुसाफिरों को राहत मिलती है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से शहर के किसी भी प्रमुख सार्वजनिक स्थल पर अलाव जलते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। विश्वनाथ चौक, बस स्टैंड आदि जगहों पर सर्दी से बचने के लिए लोग सुबह और देर रात तक इधर-उधर दुबकने के लिए मजबूर हैं। कई जगह लोग कागज, पत्ते या लकड़ी के छोटे टुकड़े जलाकर आग से ठंड दूर करते हैं। स्थानीय निवासी आशुतोष रावत, नगर व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष विष्णुपाल रावत का कहना है कि दो चार दिन से शहर के प्रमुख जगहों पर अलाव नहीं जल रहे हैं जिससे लोगों को ठंड के कारण भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने शहर में लगातार अलाव जलाने की मांग की है। उनका कहना है कि सर्दी हर दिन बढ़ती जा रही है और सबसे अधिक परेशानी गरीब, बुजुर्ग और बेघर लोगों को हो रही है। इसके बावजूद जिला प्रशासन और नगर पालिका की तरफ से अलाव जलवाने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ईओ शालिनी चित्रण का कहना है कि वन निगम की डिपो से लकड़ी उपलब्ध नहीं हो पा रही है इससे अलाव नहीं जल रहे।

भाजपा ने मनाया सोमनाथ स्वाभिमान दिवस

देहरादून। सोमनाथ स्वाभिमान पर्वञ्च2026 के तहत भाजपा महानगर ने टपकेश्वर महादेव मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि सोमनाथ मंदिर भारत की सनातन संस्कृति और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से अपने गौरवशाली इतिहास से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल, राज्यमंत्री सुरेश भट्ट, विधायक सविता कपूर सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय अधिवेशन को लेकर चर्चा

देहरादून। राजकीय शिक्षक संघ के जनपदीय एवं दोनों मंडलों के अधिवेशन संपन्न होने के बाद अब प्रांतीय अधिवेशन को लेकर संगठन में गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रांतीय महामंत्री पद के लिए प्रत्याशी तय करने के उद्देश्य से शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज नालापानी में वर्तमान व पूर्व पदाधिकारियों तथा विभिन्न जनपदों से आए शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि अनुषांगिक संगठन में महामंत्री का पद अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, इसलिए इस पद के लिए मजबूत संगठनात्मक अनुभव रखने वाला, आम शिक्षक के लिए सुलभ और संघर्षशील शिक्षक को प्रत्याशी बनाया जाना चाहिए। विचार—विमर्श के बाद उपस्थित पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने जनपद देहरादून के निवर्तमान जिला अध्यक्ष कुलदीप कंडारी के नाके नाम का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए कुलदीप कंडारी ने कहा कि वे अन्य जनपदों के समर्थक शिक्षकों से विचार—विमर्श कर शीघ्र ही अपनी सहमति से संगठन को अवगत कराएंगे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि कंडारी का संगठन में लंबा अनुभव रहा है और वे विभिन्न जनपदों में महत्वपूर्ण पदों पर रहकर कार्य कर चुके हैं।

आबादी क्षेत्र में चिन्हित भूखंडों की तारबाड़ को लेकर जमकर हंगामा

ऋषिकेश। वनभूमि सर्वे के बाद ऋषिकेश की आबादी क्षेत्र में चिन्हित भूखंडों की तारबाड़ को लेकर शनिवार को जमकर हंगामा हुआ। अमितग्राम में टीम के पहुंचते ही भूखंड के कब्जेदारों ने विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने कार्रवाई का विरोध करते हुए वन विभाग, प्रशासन और पुलिसकर्मियों को जमकर खरीखोटी सुनाई, लेकिन पुलिस बल ने उनके एक न सुनते हुए दो महिलाओं को हिरासत में ले लिया। इसके बाद घेरेबंदी की कार्रवाई शुरू की गई। शनिवार सुबह ऋषिकेश रेंज कार्यालय से प्रशासन और पुलिसकर्मियों की टीम सर्वे में चिन्हित भूखंडों की तारबाड़ के लिए अमितग्राम की गली नंबर–27 में पहुंची। प्रशासन, पुलिस और वनकर्मियों का भारी–भरकम अमला पहुंचते ही एक बार फिर अमितग्राम क्षेत्र में अफरा–तफरी का माहौल दिखा। तारबाड़ के लिए आधुनिक मशीनों से सपोर्ट पोल के लिए जैसे ही खुदाई शुरू हुई तो भूखंड कब्जेदार मौके पर धमक पड़े। उन्होंने कार्रवाई को नाजायज बताते हुए जमकर विरोध किया। कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने सर्वे में चिन्हित होने के बावजूद इस तरह की कार्रवाई पर सवाल उठाए, लेकिन पुलिसकर्मियों ने किसी की एक नहीं सुनते हुए विरोध कर रही दो महिलाओं को जबरन हिरासत में लिया और सीधे उन्हें कोतवाली ले गई। कोतवाल कैलास चंद्र भट्ट ने बताया कि महिलाओं को शनिवार शाम ही निजी मुचलके पर छोड़ दिया गया। वहीं, कार्रवाई में तहसीलदार चमन सिंह, वन विभाग एसडीओ अनिल रावत, नायब तहसीलदार जाहिद हसन, रेंजर जीएस धमांदा आदि शामिल रहे।

समझाने की कोशिश नाकामः वन विभाग ने चिन्हित भूखंडों में तारबाड़ करने की जानकारी देने के लिए बीते शुक्रवार को पार्षदों के साथ बैठक की। इसमें सर्वे से संबंधित 12 वार्डों के पार्षदों को नगर निगम कार्यालय में वार्ता के लिए बुलाया गया था। उन्हें कोर्ट के 22 दिसंबर और पांच जनवरी के आदेश की विस्तृत जानकारी डीएफओ नीरज कुमार ने दी थी। स्थानीय लोगों को भी इससे अवगत कराकर 51.41 एकड़ के चिन्हित भूखंडों तारबाड़ में सहयोग करने के लिए भी कहा था,

मनरेगा बचाने को 11 जनवरी को डोईवाला में कांग्रेस का उपवास

ऋषिकेश। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना के नाम और स्वरूप में किए गए बदलावों के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस पार्टी मनरेगा के मूल ढांचे को बचाने के लिए सड़क से सदन तक लड़ाई लड़ेगी। इसके विरोध में कांग्रेस 11 जनवरी को डोईवाला के धर्मुचक अंबेडकर पार्क में एक दिवसीय उपवास करेगी। शनिवार को डोईवाला में परवादून जिला कांग्रेस द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन कर दिया है। आरोप लगाया कि सरकार ने रोजगार के दिन 100 से बढ़ाकर 125 करने का दावा तो किया है, लेकिन इसकी कानूनी गारंटी को खत्म कर दिया है। केंद्र और राज्यों के बीच निधि का अनुपात 90:10 से बदलकर 60:40 कर दिया गया है। इसके तहत अब काम के लिए पूर्व अनुमोदन अनिवार्य होगा, जिससे यह योजना नौकरशाही पर निर्भर हो जाएगी। कार्य केवल चुनिंदा गांवों में होंगे और कार्यक्षेत्र को भी सीमित कर दिया गया है। बेरोजगारी भत्ते की व्यवस्था को कमजोर कर दिया गया है, जो मजदूरों के अधिकारों का हनन है। नगर अध्यक्ष करतार नेगी ने कहा कि इन बदलावों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और मजदूरों का हक खतरे में है। इसके विरोध में 11 जनवरी को डोईवाला के धर्मुचक अंबेडकर पार्क में एक दिवसीय उपवास और प्रतीकात्मक विरोध दर्ज किया जाएगा। प्रदेश सचिव सागर मनवाल और पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मनोज नौटियाल ने

पांच गांवों की राह में चार स्लाइड जोन, जोखिम भरा सफर करने को मजबूर ग्रामीण

चमोली : विकासखंड की पांच से अधिक ग्राम पंचायतों को जोड़ने वाली गुड़म स्टेट-सेरा-विजयपुर की 10 किमी. सड़क पर चार से अधिक स्लाइड जोन हैं। इस सड़क पर तीन हजार से अधिक आबादी जोखिम भरा सफर करने को मजबूर हैं। ग्रामीण लगातार सड़क की मरम्मत और सुधारीकरण करने की मांग कर रहे हैं। विकासखंड के सेरा, विजयपुर, लोढ़ा, तलवाड़ी खालसा, गुड़म ग्राम पंचायतों को गुड़म स्टेट-सेरा-विजयपुर की 10 किमी. सड़क थराली मुख्यालय से जोड़ती है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर पंतनगरी, विजयपुर गदेरा, लोढ़ा गांव के पास, असूं तोक के पास बीती बरसात में भूस्खलन से स्लाइड जोन बन गए हैं। लोग जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं। वहीं बरसात के चार माह बीत जाने के बाद भी क्षतिग्रस्त स्क्रपर, कॉजवे आदि के मरम्मत का काम शुरू नही किया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम बल्लभ शर्मा ने बताया कि सड़क की नालियां मलबे के कारण दबी हुई हैं। विजयपुर के ग्रामीण रमेश चंद्र जोशी ने बताया कि ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सड़क ठीक करने के संबंध में क्षेत्रीय विधायक भूपाल राम टम्टा और विभागीय अधिकारियों से कई बार पत्राचार किया।

भटवाड़ी पीएचसी में स्वास्थ्य सेवाएं वेंटिलेटर पर

उत्तरकाशी : सीमांत विकासखंड मुख्यालय भटवाड़ी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विगत एक वर्ष से एएनएम कर्मियों की तैनाती नहीं हो पाई है। जिससे बच्चों के टीकाकरण के लिए ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में एएनएम कर्मियों के तीन पद सृजित हैं, लेकिन किसी पर अभी तैनाती नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि टीकाकरण के लिए लोगों को अपने बच्चों को लेकर करीब 40 से 50 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। क्यार्क गांव के पूर्व प्रधान विपिन राणा ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को दूरस्थ क्षेत्रों तक सुदृढ़ करने के दावे तो करती है, लेकिन इसकी हकीकत यह है कि सीमांत भटवाड़ी विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक भी एएनएम तैनात नहीं है। अस्पताल में तीन पद सृजित हैं। जानकारी के अनुसार एक वर्ष पूर्व दो एएनएम ने सुगम स्थानों में अटैचमेंट ले लिया था। उसके छः बाद तीसरी एएनएम ने भी अपनी सुविधानुसार अटैचमेंट लिया। अब तीनों का विधिवत अस्पताल से हस्तांतरण हो गया है लेकिन उसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक वर्ष बीतने के बाद भी वहां पर एएनएम की तैनाती नहीं की गई। व्यवस्था के लिए कई बार अस्पताल झाला में तैनात एएनएम की सेवा लेते हैं लेकिन झाला से भटवाड़ी की दूरी अधिक होने के कारण उन्हें भी कार्य करने में परेशानी होती है। राणा ने कहा कि अभी भी कई गांव से महिलाएं अपने बच्चों को पांच से छह किमी पैदल चलने के बाद सड़क मार्ग से अस्पताल टीकाकरण के लिए पहुंचती है, लेकिन भटवाड़ी में सुविधा नहीं मिलने के कारण उन्हें करीब 40 किमी. की दूरी तय कर जिला अस्पताल की दौड़ लगानी पड़ती है।

कुणिंडा गांव आज तक नहीं जुड़ पाया सड़क मार्ग से

उत्तरकाशी : नौगांव ब्लॉक के अंतर्गत कुणिंडा गांव आज तक भी सड़क मार्ग से नहीं जुड़ पाया है जिससे ग्रामीण खाद्य सामग्री सहित आवश्यकता की वस्तुओं को पीठ पर लाद कर गांव तक पहुंचाने के लिए विवश हैं। सड़क के अभाव में गांव के किसानों को अपनी नकदी फसलों को बाजार तक पहुंचाने में भारी मशक्कत का सामना करना पड़ता है। नौगांव ब्लॉक के कुणिंडा गांव की करीब 150 की आबादी है। गांव जाने के लिए सुनाल्डी से लगभग साढ़े तीन किमी पैदल पहाड़ी रास्ता है। ग्रामीण रणवीर चौहान, चैन सिंह चौहान, उपेन्द्र सिंह राणा, मनवीर राणा, प्रकाश चौहान, जनक राणा का कहना है कि वे लगातार गांव को सड़क से जोड़ने की मांग कर रहे हैं लेकिन अभी शासन-प्रशासन स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हो रही। हालांकि सुनाल्डी गांव तक सड़क सुविधा है जहां से आगे मात्र साढ़े तीन किमी. के लगभग ही सड़क का निर्माण किया जाना है। सड़क के अभाव से स्कूल जाने वाले बच्चों को भी सुनाल्डी तक पैदल जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने मांग की है कि उनके गांव को शीघ्र ही सड़क से जोड़ा जाए जिससे ग्रामीणों की पैदल आवाजाही की समस्या का समाधान हो सके और अपनी आवश्यकताओं की वस्तुओं को सड़क के माध्यम से सुगमता के साथ गांव तक पहुंचा सके।

उप जिला चिकित्सालय में 25 टीबी रोगियों को पोषाहार किये वितरित

देहरादून। उप जिला चिकित्सालय में आस संस्था ऋषिकेश के तत्वाधान में आयोजित पोषाहार वितरण कार्यक्रम में 25 टीबी रोगियों को पोषाहार वितरित किए । टीबी रोगियों को उपचार के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई। टीबी रोगियों को पोषाहार वितरण कार्यक्रम में आस संस्था ऋषिकेश की महासचिव हेमलता ने रोगियों से बातचीत की व उनकी समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि अधिकतर रोगी टीयू से दवाई लेकर चले जाते हैं लेकिन अपनी परेशानियों व भ्रांतियों पर कोई बात नहीं करते। अनेक लोग टीबी रोग से ग्रस्त हैं, वहीं कई टीबी रोगी समय से उपचार करवाने पर रोग मुक्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि धुम्रपान व नशे के कारण कई रोगी गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं, उन्हें इससे बचाने के प्रयास होने चाहिए। उन्होंने टीबी रोगियों को भरोसा दिया कि अगर वह नियमित दवा ले रहे हैं तो शीघ्र इस रोग से मुक्ति पा सकते हैं।

मां नंदा राजजात 2026 की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

अल्मोड़ा। मां नंदा राजजात 2026 की तैयारियों को लेकर नंदा देवी परिसर, अल्मोड़ा में एक आम बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजजात को भव्य और सुव्यवस्थित रूप देने के लिए प्रारंभिक रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 23 जनवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर अल्मोड़ा से सभी सदस्य ग्राम नोटि जाएंगे। वहां नंदा राजजात 2026 की तैयारियों को लेकर आगे के कार्यक्रम और रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके साथ ही बैठक में यह भी तय किया गया कि इस उद्देश्य से शीघ्र ही एक शिष्टमंडल जिलाधिकारी से मुलाकात कर आवश्यक समन्वय और सहयोग को लेकर वार्ता करेगा। पदाधिकारियों और वक्ताओं ने कहा कि मां नंदा राजजात उत्तराखंड की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसे सफल और भव्य बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएंगी। कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा जल्द ही तैयार कर ली जाएगी, ताकि राजजात का आयोजन परंपरागत गरिमा और व्यापक सहभागिता के साथ हो सके। बैठक में नंदा देवी मंदिर कमेटी के अध्यक्ष मनोज वर्मा, सचिव मनोज सनवाल, ताराचंद जोशी, अनूप साह, किशन गुरुरानी, गोविंद सिंह मेहरा, पार्षद अमित साह मोनू, पार्षद अर्जुन सिंह बिष्ट, पार्षद अभिषेक जोशी, महेंद्र सिंह बिष्ट, हरीश कनवाल, नवीन वर्मा, धनंजय शाह, नरेंद्र कुमार वर्मा, एल.के. पंत, जगत तिवारी, विजय कनवाल, राहुल सिंह कनवाल, जीवन चंद्र गुप्ता, रवि गोयल, हीरा बिष्ट, ईशान शाह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर रुद्रपुर में होगी स्वदेशी संकल्प दौड़

रुद्रपुर। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर आगामी 12 जनवरी को रुद्रपुर में आयोजित होने वाली स्वदेशी संकल्प दौड़ को लेकर भाजयुमो द्वारा जिला कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विपिन सिंह गहलौत ने की। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, प्रचार–प्रसार तथा व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि स्वदेशी संकल्प दौड़ का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाना तथा स्वदेशी के प्रति जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज को सकारात्मक संदेश देने का माध्यम बनेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक युवाओं से आह्वान किया है। बैठक में रोहित गुप्ता, नमन चावला, रचित सिंह, मनीष गोस्वामी, केके त्रिपाठी, रोहित भट्ट, विशाल, विक्की राघव, उमेश सिंह, दीपक राठौर, विशाल चौहान, दीपक गंगवार, अशोक नेगी, हर्ष गंगवार, जितेंद्र चौहान और राहुल दिवाकर सहित युवा मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विपरीत दिशा में तेजी व लापरवाही से वाहन चलाने के मामले में मुकदमा दर्ज

देहरादून। विपरीत दिशा में तेजी व लापरवाही से वाहन चलाने के मामले में पुलिस ने बीएनएस की धाराओं में कार चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार राणा ने बताया कि सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के मूल मंत्र को साकार करती दून पुलिस ने लालतप्पड़ क्षेत्र में हाईवे पर गलत दिशा में लापरवाही व खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के मामले में यह कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से दूसरों के जीवन को खतरा उत्पन्न होने के साथ ही चोट लगने की संभावना भी बनी रहती है। अब तक यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई या चालान करती थी, परंतु अब नियमों के उल्लंघन के गंभीर मामलों में सीधे मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इसी मामले में लालतप्पड़ क्षेत्र में हरिद्वार की ओर से टाटा टियागो कार में सवार एक व्यक्ति जो कि विपरीत दिशा में तेजी से आ रहा था। चालक को रोककर उसके वाहन को सीज किया गया है।

14 जनवरी को विंटर टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन

उत्तरकाशी : शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग की ओर से आगामी 14 जनवरी को विंटर टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। कॉनक्लेव में एसोसिएशन आफ डॉमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया के सहयोग से देशभर के विभिन्न राज्यों से 50 टूर ऑपरेटर्स और उत्तराखंड के 50 लोकल टूर ऑपरेटर्स प्रतिभाग करेंगे। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में विंटर टूरिज्म कॉनक्लेव का आयोजन होना है। कॉनक्लेव के आयोजन की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बैठक ली। डीएम ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि मानकों के अनुसार बुनियादी ढांचा तैयार किया जाए, ताकि विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। इसके साथ ही स्थानीय समुदायों को इस उद्योग से जोड़ने के लिए होमस्टे नीति और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जाएगा। इस कॉन्क्लेव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा साहसिक खेलों को बढ़ावा देना है जिसके तहत स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग, आइस स्केटिंग और विंटर ट्रेकिंग के लिए नए ट्रैक और प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कॉन्क्लेव के माध्यम से सरकार पर्यटन को केवल एक सीजन तक सीमित न रखकर वर्षभर पर्यटन के मॉडल पर काम करने के प्रयास कर रही है। कॉनक्लेव में एसोसिएशन आफ डॉमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स ऑफ़ इंडिया के सहयोग से देशभर के विभिन्न राज्यों के अलावा स्थानीय होटल एसोसिएशन उत्तरकाशी, बड़कोट, ट्रैकिंग संगठन उत्तरकाशी और सांकरी के पंजीकृत प्रतिनिधि भी प्रतिभाग करेंगे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com